संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 84
पृष्ठ 8
गुरुवार
11 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में उंगलियों में सूजन के....

विचार- नियम बनाकर उनसे पीछे हटने ...

खेल- किंग कोहली की धाक, वनडे ...

सीएम योगी की सीख: नशे से बचकर ही खुद और देश के भविष्य को बचा पाएंगे युवा

- शार्ट कट से नहीं मिलेगी सफलता
- तकनीक से अपने आप ही जुड़ जाएंगे रोजगार के नए अवसर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां सामने हैं। एक ड्रग्स का नशा और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों नशों से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। सीएम योगी बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर न दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, इसको कम करना होगा। उन्होंने युवाओं को समझाया, हालांकि एकाएक यह कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे–धीरे कम करिए। आवश्यक हो तभी आधा या एक घंटा, तक ही आप मोबाइल फोन का इस्तेमाल करिए। समय तय करिए कि मुझे जब आवश्यक बात करनी है तभी बात करूंगा, अनावश्यक नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी आंख की साइट को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा, बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी यह पूरी तरह कमजोर कर देगा। इसलिए स्मार्टफोन से जितना बच सकते हैं, बचने का प्रयास करना चाहिए। समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनैतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। हममें से कोई व्यक्ति उससे अपने आप को अलग नहीं कर सकता। हमें करना भी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें उस मानसिकता से भी उबरना पड़ेगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी।

'आपका पैसा, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लें : पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'आपका धन, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लेने का बुधवार को आग्रह किया। इसके तहत पिछले दो महीनों में 2,000 करोड़ रुपये की बिना दावे वाली संपत्तियां उनके असली मालिकों को सफलतापूर्वक लौटाई गई हैं। सरकार ने चार अक्टूबर को 'आपका पैसा, आपका अधिकार' राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य बैंक जमा, बीमा, लाभांश, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन सहित लावारिस पड़ीं वित्तीय संपत्तियों को उनके वैध दावेदारों तक पहुंचाने में मदद करना है। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''सभी हितधारकों खासतौर पर सरकार, नियामक निकायों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के समन्वित प्रयासों से करीब 2,000 करोड़ रुपये पहले ही उनके सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं।'' अक्टूबर से पांच दिसंबर 2025 तक 477 जिलों में शिविर आयोजित किए गए। इनमें जन प्रतिनिधियों, जिला प्रशासनों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री लोगों से 'आपका पैसा, आपका अधिकार' आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह करते हुए कहा, ''हम आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और व्यापक बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय बैंकों में हमारे ही नागरिकों का बिना दावे का 78,000 करोड़ रुपये पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों के पास करीब 14,000 करोड़ रुपये की राशि बिना दावे के पड़ी है। साथ ही म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास करीब 3,000 करोड़ रुपये और 9,000 करोड़ रुपये की ऐसी लाभांश राशि रखी है।

मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयोग चयन समिति से हटाने की वजह बताएं : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार बताये कि उसने चुनाव आयोग के चयन समिति से किस कारण मुख्य न्यायाधीश को हटाने का निर्णय लिया है। श्री गांधी कहा कि चुनाव आयोग के चयन निष्पक्ष चयन के लिए गठित समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा मुख्य न्यायाधीश होते हैं लेकिन सरकार ने समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर एक कैबिनेट मंत्री को रखने का फैसला किया है। यह निर्णय किस कारण से लिया गया इसकी वजह सरकार को बतानी चाहिए। श्री गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट पर कहा, भारत की जनता ये तीन बहुत ज़रूरी और सीधे सवाल पूछ रही है। पहला सवाल है कि उच्चतम न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयुक्त के चयन के पैनल से क्यों हटाया गया। पिछले आम चुनाव से पहले चुनाव आयोग को लगभग पूरी कानूनी इम्युनिटी क्यों दी और सीसीटीवी फुटेज 45 दिन में नष्ट करने की इतनी जल्दबाज़ी क्यों की गयी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है और उसका जवाब एक ही है कि ऐसा करने से भाजपा चुनाव आयोग को वोट चोरी करने का औज़ार बना रही है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का बड़ा दावा, दलितों और मुसलमानों के वोटों में हो रही कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बुधवार को बिहार में चल रही विशेष गहन मतदान संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि इससे कई मतदाताओं के मताधिकार का हनन हुआ है। उन्होंने दावा किया कि दलित और मुस्लिम समुदाय सबसे अधिक प्रभावित हैं और इस बात पर जोर दिया कि प्राप्त रिपोर्टों से पता चलता है कि चल रही मतदान प्रक्रिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर मतदान अधिकारों में कटौती की जा रही है। एएनआई से बात करते हुए मसूद ने कहा कि एसआईआर एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। एसआईआर के माध्यम से बिहार में कई लोगों के मतदान अधिकार छीन लिए गए हैं। जो रिपोर्टें आ रही हैं, उनसे लगता है कि कई लोगों के वोट काटे जा रहे हैं, जिनमें से अधिकांश दलित और मुस्लिम हैं। इससे पहले आज, समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि चल रही विशेष गहन मतदान संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया में गड़बड़ी करने वाला असली दोषी जिला स्तर पर है। यादव ने कहा कि चुनाव सर्वेक्षण कराने की जिम्मेदारी कलेक्टरों और चुनाव आयोग की है, लेकिन गड़बड़ी करने वाले असली दोषी जिला स्तर पर हैं। मैंने चुनाव आयोग से कहा था कि आप कोई भी आदेश जारी कर सकते हैं, लेकिन अगर लखनऊ में बैठे लोग कलेक्टर को वोटों की गिनती करने को कहें, तो चाहे आप कितना भी कहें कि उनके वोट बने रहने चाहिए, वे कट जाएंगे। हम सिर्फ चुनाव आयोग को दोष नहीं दे सकते। प्रशासन से जुड़े वे लोग जो एक पार्टी की तरह काम कर रहे हैं, वे ही इन वोटों को इधर–उधर मोड़ने के लिए जिम्मेदार हैं। संसद सांसद ने व्यापक सुधारों की वकालत करते हुए तर्क दिया कि चुनाव सुधारों के लिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हमारे संविधान की दृष्टि में निहित हैं मानवाधिकार : राष्ट्रपति

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को यहां कहा कि मानवाधिकार हमारे संविधान की दृष्टि में निहित हैं और भारत ने मानवाधिकारों के वैश्विक ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीमति मुर्मू ने यह बात राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा आयोजित मानवाधिकार दिवस समारोह को संबोधित करते हुये कही। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार दिवस हमें यह याद दिलाने का अवसर है कि सार्वभौमिक मानवाधिकार अविभाज्य हैं और वह एक न्यायपूर्ण, समान और दयालु समाज की नींव तैयार करते हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने मानव गरिमा, समानता और न्याय पर आधारित दुनिया की कल्पना की थी। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने के साथ बिना किसी डर के जीने का अधिकार, बिना किसी बाधा के सीखने का अधिकार, बिना किसी शोषण के काम करने का अधिकार और गरिमा के साथ वृद्धावस्था बिताने का अधिकार प्रदान करता है। श्रीमती मुर्मू ने कहा, श्हमने दुनिया को याद दिलाया है कि मानवाधिकारों को विकास से अलग नहीं किया जा सकता। साथ ही, भारत ने हमेशा इस शाश्वत सत्य का पालन किया हैरू न्याय के बिना शांति नहीं है और शांति के बिना न्याय नहीं है। श्रीमति मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि अंत्योदय के दर्शन के अनुरूप, अंतिम व्यक्ति सहित सभी के लिए मानवाधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में राष्ट्र की विकास यात्रा में प्रत्येक नागरिक को सक्रिय भागीदार होना चाहिए। तभी विकास को सही मायने में समावेशी कहा जा सकता है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, न्यायपालिका और नागरिक समाज के साथ मिलकर संवैधानिक विवेक के सतर्क प्रहरी के रूप में काम करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों, साथ ही महिलाओं और बच्चों से जुड़े कई मुद्दों पर स्वतरू संज्ञान लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि मानावाधिकार आयोग ने इस साल अपने स्थापना दिवस समारोह के दौरान जेल में बंद कैदियों के मानवाधिकारों के विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विश्वास जताया कि इन चर्चाओं से उपयोगी नतीजे निकलेंगे। श्रीमति मूर्मू ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण और उनका कल्याण मानवाधिकारों के मुख्य स्तंभ हैं। उन्होंने सार्वजनिक जगहों और कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा पर एक सम्मेलन के आयोजन करने पर प्रसन्नता जताते हुये कहा कि ऐसे सम्मेलन से निकले निष्कर्ष महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि एनएचआरसी राज्य और समाज के कुछ आदर्शों को व्यक्त करता है। भारत सरकार ऐसे भावों को पहले कभी न देखे गए पैमाने पर अमल में ला रही है। पिछले एक दशक में, हमने देखा है कि हमारा देश एक अलग सोच के साथ आगे बढ़ा है – हक से सशक्तिकरण की ओर और दान से अधिकारों की ओर। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि स्वच्छ पानी, बिजली, खाना पकाने की गैस, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग सेवा, शिक्षा और बेहतर स्वच्छता जैसी रोज़मर्रा की ज़रूरी सेवाएं सभी को मिलें। इससे हर घर का उत्थान होता है और गरिमा सुरक्षित होती है। श्रीमति मुर्मू ने कहा कि हाल ही में, सरकार ने वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थितियों से संबंधित चार लेबर कोड के माध्यम से एक बड़े सुधार को लागू करने की अधिसूचना जारी की है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी, हथियारों का जखीरा जब्त, कई गिरफ्तार

इंफाल, 10 दिसंबर (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 11 और 12 दिसंबर को मणिपुर दौरे से पहले सुरक्षा बलों ने संवेदनशील जिलों में तलाश अभियान तेज़ कर दिय हैं, जिससे भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए हैं और उग्रवादी और आपराधिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक राज्य और केंद्रीय बलों ने श्रमती मुर्मु के दौरे के दौरान शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित कराने के लिए अभियान शुरू किया है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने एक दिन पहले चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के हेंगकापकोट गांव के जंगल इलाकों से हथियारों और विस्फोटक सामग्री का जखीरा जब्त किया। बरामद सामानों में एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार जिसमें एक्सप्लोसिव इनिशिएशन सिस्टम लगा था, दो हाई–एक्सप्लोसिव (एचई) बम, एक धुएं वाला हथगोला और अलग–अलग हथियारों के 27 खाली खोखें शामिल हैं। इस ज़ब्ती को राष्ट्रपति के आने से पहले किसी भी संभावित खतरे को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण निवारक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। एक अलग आतंकवाद विरोधी अभियान में सुरक्षा कर्मियों ने इंफाल पश्चिम के लैम्फेल थाना क्षेत्रक् के लैंगोल लैमनाई इलाके से रंगदारी वसूलने वाले एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। वहीं, मोरेह के सीमावर्ती शहर में सुरक्षा बलों ने एक उग्रवादी समूह के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा है। इस बीच, मणिपुर पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है जो चिकित्सा निदेशालय, लैम्फेल के पास वाहन चुराने की कोशिश कर रहे थे। आरोपियों की पहचान गोलपति मानिंग लीकाई के मोहम्मद मिलन और बोरयांगबी, बिष्णुपुर जिले के मोहम्मद सेराजुन के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि एक बड़े वाहन चोरी नेटवर्क में उनकी संलिप्तता का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। राष्ट्रपति के इंफाल पोलो ग्राउंड में पोलो मैच देखने की संभावना है। वह 11 दिसंबर को एक संवाद कार्यक्रम में और 12 दिसंबर को नुपी लाल कार्यक्रम में शामिल होंगी और 12 दिसंबर को सेनापति भी जाएंगी।

चुनाव आयोग का कामकाज निष्पक्ष नहीं, भूपेश बघेल बोले– मतदाताओं के अधिकारों की हो रही लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का कामकाज पक्षपातपूर्ण है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लाखों वोटों की गिनती का मुद्दा उठाया है। बघेल ने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की लूट हो रही है। चुनाव आयोग का कामकाज निष्पक्ष नहीं है, और कई उदाहरणों से यह साबित हो चुका है। पूरा देश इसके खिलाफ खड़ा है, और राहुल गांधी ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया है। लाखों की संख्या में ये फर्जी वोट कहां से आ रहे हैं? ये सभी उदाहरण हैं जिनसे चुनाव प्रभावित हो रहे हैं। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बहस के बीच, समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद राम गोपाल यादव ने बुधवार को कहा कि चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास में गड़बड़ी करने वाला असली दोषी जिला स्तर पर है। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वोटों के हेरफेर के लिए असल में जिम्मेदार लोग प्रशासन का हिस्सा हैं और एक राजनीतिक दल की तरह काम करते हैं। उन्होंने आगे

कहा कि सिर्फ चुनाव आयोग को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन उसे शिकायतों पर कार्रवाई करनी चाहिए। कलेक्टर और चुनाव आयोग एसआईआर कराने के लिए जिम्मेदार हैं लेकिन गड़बड़ी करने वाले असली दोषी जिला स्तर पर हैं।

वोट चोरी का फेक नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रहा विपक्ष, लोकसभा में बोले अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी समेत विपक्षी सदस्यों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कुछ नेता विभिन्न राज्यों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर महीनों से झूठ फैलाया जा रहा है और सभी को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी भी एसआईआर को लेकर जनता को गुमराह करने के लिए वोट चोरी का नारा गढ़ रहे हैं। शाह ने कहा कि दो दिनों तक हमने विपक्ष से कहा कि इस पर दो सत्रों के बाद चर्चा की जानी चाहिए। लेकिन वे नहीं माने। हम मान गए... हमने श्नाश क्यों कहा? श्नाश कहने के दो कारण थे। पहला, वे(एसआईआर) पर चर्चा करना चाहते थे। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती। एसआईआर आयोग की जिम्मेदारी है। भारत का चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयोग सरकार के अधीन काम नहीं करते। अगर चर्चा हुई और सवाल उठाए गए, तो उनका जवाब कौन देगा? जब उन्होंने कहा कि वे चुनावी सुधारों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, तो हम तुरंत सहमत हो गए। अमित शाह ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा को लेकर पहले दो दिन तक गतिरोध बना रहा। इससे जनता को गलत संदेश गया कि हम इस पर चर्चा नहीं करना चाहते। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि संसद इस देश में चर्चाओं की सबसे बड़ी पंचायत है। भाजपा–एनडीए कभी भी चर्चाओं से पीछे नहीं हटती। विषय चाहे जो भी हो, हम संसद के नियमों के अनुसार चर्चा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चार महीनों तक एसआईआर के बारे में एकतरफा झूठ फैलाया गया। देश की जनता को गुमराह करने के प्रयास किए गए। शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब चुनाव जीतते हैं तो मतदाता सूची अच्छी है और जब हारते हैं तो मतदाता सूची खराब है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहला एसआईआर (चुनाव सर्वेक्षण) 1952 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में किया गया था और फिर कहा कि नेहरू और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकारों सहित कांग्रेस सरकारों के दौरान कई एसआईआर हुए।

माफिया के बेटों के रिसेप्शन में असलहाधारियों की रील, 100 से अधिक लोग हथियार के साथ पहुंचे

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में करवरिया परिवार की शादी के बाद अब शहर में एक और शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। चर्चा भव्य इंतजामों से ज्यादा असलहों के साथ पहुंचे मेहमानों की वजह से है। रामलोचन यादव के बेटों सूरज और रजत के रिसेप्शन में असलहाधारी युवकों की मौजूदगी के वीडियो सामने आए हैं। बताया गया है कि कई युवक असलहा लेकर फोटो खिंचवा रहे थे, वीडियो बना रहे थे और उसे रील्स के रूप में पोस्ट भी किया है। इनमें से कई कथित रूप से किसी के निजी सुरक्षाकर्मी बताए जा रहे हैं, जबकि कुछ कम उम्र के युवक हथियार के साथ तस्वीरें खिंचाने और भौकाल बनाते देखे गए। रामलोचन यादव का मूल आवास एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के फुलवा गांव में है। 6 दिसंबर को रिसेप्शन हुआ था। कार्यक्रम में सपा से जुड़े कई नेता भी पहुंचे। इसके अलावा बालसन चौराहे के पास स्थित एक नामी अस्पताल का डायरेक्टर भी इस समारोह में मौजूद था। रामलोचन यादव प्रतापपुर विधायक विजमा यादव का सगा भाई है। वह धूमनगंज के कन्हईपुर का रहने वाला बताया जाता है। उस पर 24 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं और 2017 में बनी माफिया सूची में उसका नाम शामिल किया गया था। उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी हो चुकी है। 2020 में चले माफिया अभियान के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने उसकी कन्हईपुर स्थित करोड़ों की आलीशान कोठी को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया था। सूत्रों के मानें तो मौजूदा समय में कई जगह उसकी प्लाटिंग भी चल रही है। रामलोचन के खिलाफ 2008 में थाना कैंट में गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में धारा 14(1) के तहत उसकी संपत्ति भी कर्क हुई थी। इस कार्रवाई के खिलाफ उसने तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट संजय प्रसाद, जो मौजूदा समय में प्रमुख सचिव गृह मुख्यमंत्री और सूचना हैं, के समक्ष अपील की थी। इस अपील को आधारहीन मानते हुए खारिज कर दिया था।

50 हजार का इनामी फैज गिरफ्तार

प्रयागराज में रोडवेज संविदाकर्मी की हत्या के मामले में फरार था

प्रयागराज (संवाददाता)। दीपावली के दिन 21 अक्टूबर को मुंडेरा में रोडवेज संविदाकर्मी रावेंद्र उर्फ मुन्नू की दिनदहाड़े हुई हत्या के मामले में फरार फैज उर्फ शाहफैज को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। 50 हजार इनामी फैज के पास से एक अवैध तमंचा व दो कारतूस भी बरामद की गई है। पुलिस हत्याकांड के छह आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, अब एक अन्य वांछित इनामी हसनैन की तलाश जारी है। धूमनगंज व कर्नलगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर न्याय विहार मोड से आगे सूबेदारगंज स्टेशन के पास फैज उर्फ शाहफैज निवासी लोहरा थाना संदीपनघाट कौशाम्बी को गिरफ्तार किया। फैज हत्याकांड के बाद से फरार चल रहा था। हत्याकांड के बाद तत्कालीन मुंडेरा चौकी प्रभारी और धूमनगंज थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया था। धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि हत्याकांड में सात नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचना में कई अन्य के नाम भी सामने आए। पूर्व में आरोपी अली, कामरान, इरफान अहमद, मोहम्मद हुसैन, फैसल उर्फ काले और नूरैन को जेल भेज चुकी है। वहीं, हत्यारोपियों को शरण देने के आरोप में भी कई के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर जेल भेजा गया था।

माघ मेले में हर सेक्टर में होगा प्रतीक चिह्न

प्रयागराज (संवाददाता)। महाकुंभ–2025 के सफल आयोजन के बाद अब योगी सरकार माघ मेला–2026 तैयारियों में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में माघ मेले की तैयारियां चल रही है। अभी हाल ही में मुख्य सचिव के समक्ष प्रतीक चिह्न का अनावरण, सेक्टरवार रंग योजना और अवसंरचनात्मक सुधारों पर विशेष चर्चा हुई थी। इस बार अनुमानित है कि प्रयागराज में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु संगम पर पवित्र स्नान करेंगे, जिनमें प्रतिदिन आने वाले लाखों कल्पवासी भी शामिल होंगे। पूरा मेला क्षेत्र रंग–समन्वित थीम पर आधारित होगा। हर सेक्टर एकरूपता का अनुभव कराएगा। मेले को सुसंगत और आकर्षक रूप देने के लिए सातों सेक्टर्स और सात पांटून पुलों को ष्सात ऊर्जा चक्रोंष के अनुरूप रंगों से सजाया जाएगा। हर सेक्टर की चहारदीवारी पर 3 फुट चौड़ी सीमांकन पट्टी बनाई जाएगी, जिससे मेले का आकार दृष्टिगत रूप से स्पष्ट, व्यवस्थित और सुंदर दिखाई देगा। सभी सेक्टर्स में उत्तर प्रदेश सरकार और माघ मेला–2026 का प्रतीक चिह्न अंकित होगा। विभिन्न घाटों पर उपलब्ध चेंजिंग रूम भी सेक्टरवार रंग योजना के अनुरूप तैयार किए जाएंगे। पहले की तुलना में दोगुनी क्षमता, रंग योजनाओं से मेल खाते हुए होंगे। अब 2 यूनिट में 2 के स्थान पर 4 लोग एक साथ सुविधा का उपयोग कर सकेंगे। इससे भीड़ प्रबंधन अधिक सुचारू और सुविधाजनक होगा तथा मेले की एकरूपता कायम रहेगी। सातों पॉन्टून पुलों को इंद्रधनुषी सात रंगों से सजाया जाएगा। पुलों पर लगे लाइट, पोलों पर एलईडी लाइटें धार्मिक चिह्नों के साथ प्रदर्शित होंगी, जो दिन और रात दोनों समय आकर्षण का केंद्र रहेंगी। हर पुल पर रंग अनुरूप झंडे लगाए जाएंगे।यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलों पर कैनोपी का निर्माण किया जाएगा।

प्रयागराज में होटल कारोबारी की बेटी को पीटा

4 लड़कियों ने सड़क पर घसीटा, लात–घूंसे मारे, बोली–शराब पीने का बना रही थीं दबाव

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एक होटल मालिक की बेटी को सरेआम पीटा गया। पिटाई करने वाली उसकी ही क्लास की चार युवतियां हैं। उन्होंने उसे सरेआम बाल पकड़कर घसीटा व लात–घूंसे व थप्पड़ बरसाए। आरोप है कि चारों शराब व सिगरेट पीने का दबाव बना रही थीं और ऐसा न करने पर होटल मालिक की बेटी की पिटाई की। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होटल मालिक सिविल लाइंस के रहने वाले हैं। यहीं पर उनका एक होटल है। उनकी 25 साल की बेटी क्लैट की कोचिंग कर रही है। वह सिविल लाइंस में स्थित कोचिंग में पढ़ती है। उसने बताया कि रोज की तरह वह मंगलवार शाम चार बजे के करीब कोचिंग पहुंची।

पांच बजे कोचिंग खत्म होने के बाद वह घर जाने के लिए बाहर निकली। तभी पहले से मौजूद उसके ही क्लास की चार युवतियों ने उसे रोककर गालीगलौज शुरू कर दी।

उसका बाल पकड़कर घसीटा और फिर उस पर लात–घूंसे व थप्पड़ बरसाए। एक युवती ने हाथ में लोहे का कड़ा पहन रखा है और उसने कड़े से ही उसे चोट पहुंचाई। जान से मारने की कोशिश की। इससे उसे गंभीर चोट आई।

आरोप है कि हमलावर युवतियां उसके ऊपर सिगरेट–शराब पीने का दबाव बनाती हैं। लड़कों को अश्लील वीडियो फॉरवर्ड करने के लिए कहती हैं। दो युवतियों ने मारपीट कर विडियो भी बनाया है। होटल मालिक की बेटी का यह भी आरोप है कि कोचिंग के डायरेक्टर शाश्वत से शिकायत करने पर उन्होंने पांचों को कोचिंग से निकाल देने की धमकी दी।

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर रामाश्रय यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। साथ पढ़ने वाली चार छात्राओं को नामजद किया गया है। सीसीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

यूपी के 3000 वकीलों पर क्रिमिनल केस, सरकार ने हाईकोर्ट को हलफनामा देकर बताया, कोर्ट ने जिलेवार सूची मांगी

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूछा प्रदेश के कितने वकीलों पर कितने क्रिमिनल केस चल रहे हैं। सवाल के जवाब में राज्य सरकार ने अपना जवाब दाखिल किया। राज्य सरकार ने बताया– प्रदेश में लगभग 3 हजार वकीलों पर क्रिमिनल केस चल रहे हैं। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने 15 दिसंबर को अगली सुनवाई पर जिलेवार सूची प्रस्तुत करने को कहा है।

अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी और अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम परितोष कुमार मालवीय ने कोर्ट को जानकारी दी। बताया– अब तक की जांच में लगभग तीन हजार वकीलों पर चल रहे मुकदमों की जानकारी हुई है। यह संख्या अंतिम नहीं है। अभी और जानकारी जुटाई जा रही है। इसमें अभी समय लगेगा।

DGP की ओर से दाखिल हलफनामे में वकीलों क्रिमिनल हिस्ट्री प्रस्तुत किया गया जबकि डीजी अभियोजन के हलफनामे में मुकदमों के ट्रायल की जानकारी दी गई। कोर्ट ने 15 दिसंबर को सारी जानकारी देने का निर्देश दिया है। साथ ही याची को इस मामले में यूपी बार कौंसिल को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया।

एडवोकेट मोहम्मद कफील की याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट को पता चला कि याची स्वयं गैंगस्टर एक्ट सहित कई आपराधिक मामलों में शामिल है। यहीं नहीं भाई कुख्यात अपराधी हैं । कोर्ट ने वकीलों के क्रिमिनल बैकग्राउंड के न्याय प्रशासन पर प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की।

कोर्ट ने कहा था कि अधिवक्ता और बार एसोसिएशन के पदाधिकारी विशिष्ट संस्थागत स्थिति रखते हैं। वे कोर्ट के अधिकारी भी हैं और पेशेवर नैतिकता के संरक्षक भी। जब गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे व्यक्ति कानूनी प्रणाली में प्रभाव वाले पदों पर होते हैं तो यह वैध चिंता का विषय है।

ऐसे में ये पेशेवर वैधता की आड़ में पुलिस अधिकारियों और न्यायिक प्रक्रियाओं पर अनुचित प्रभाव डाल सकते हैं। कोर्ट ने सभी कमिश्नरध्एसएसपीध्एसपी और संयुक्त निदेशक अभियोजन को यूपी बार कौंसिल में रजिस्टर्ड वकीलों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का व्यापक विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

कोर्ट ने वकीलों पर हुए एफआईआर की डिटेल मांगी

कोर्ट के आदेश के अनुसार इन अधिकारियों को अधिवक्ता के खिलाफ दर्ज थ्ट पंजीकरण की तिथि और अपराध संख्या, धाराएं और संबंधित थाना, विवेचना की वर्तमान स्थिति, चार्जशीट दाखिल करने और आरोप तय करने की तिथि, अब तक परीक्षित गवाहों का विवरण और ट्रायल की स्थिति का विवरण पेश करना होगा।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस से संबंधित विवरण डीजीपी और अभियोजन पक्ष की जानकारी डीजीपी अभियोजन की ओर से प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही चेतावनी दी कि प्रशासन की ओर से किसी भी तरह की ढिलाई को गंभीरता से लिया जाएगा।

याची वकील ने अपर सत्र न्यायाधीश के आदेश को दी थी चुनौती

याची मोहम्मद कफील ने याचिका में ने इटावा के अपर सत्र न्यायाधीश के गत 18 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। अपर सत्र न्यायाधीश ने सीजेएम के उस आदेश को बरकरार रखा था जिसमें पुलिस अधिकारियों को तलब करने की याची की प्रार्थना खारिज कर दी गई थी।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने हलफनामा दाखिल कर याची और उसके भाइयों के आपराधिक इतिहास का खुलासा किया। हलफनामे में यह भी बताया गया कि याची के पांच भाई शकील, नौशाद, अकील, फैजान उर्फ गुडून और दिलशाद गंभीर अपराधों में नामजद हैं।

इन पर हत्या का प्रयास, गोहत्या, जुआ अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट व पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। याची ने भी पूरक हलफनामे दाखिल कर स्वीकार किया कि उस पर कुछ मामले दर्ज हैं। हालांकि उसने पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप भी लगाया।

इटावा कोतवाली के इंस्पेक्टर के हलफनामे से खुलासा हुआ कि याची अधिवक्ता तीन आपराधिक मामलों में शामिल है।

प्रयागराज कैफे कर्मी से मारपीट, 11 पर एफआईआर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सिविल लाइन्स क्षेत्र में एक कैफे कर्मचारी ने कुछ युवकों पर मारपीट, जातिसूचक गालियां देने, जान से मारने की धमकी और हफ्ता वसूली का आरोप लगाया है। पीड़ित अखिल चौधरी ने सिविल लाइन्स थाने में तहरीर देकर सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है। वह सैयदसरांवा, थाना पुरामुफ्ती का निवासी है। अखिल चौधरी पात्रिका चौराहे स्थित वाइब कैफे एंड रेस्टोरेंट में कैप्टन और मॉकटेल वर्कर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर की रात करीब 9 बजे शांतिपुरम निवासी अनिल पांडे अपने 10–11 साथियों के साथ कैफे पहुंचे। खाना ऑर्डर करने के बाद वे भोजपुरी गाने बजाने की जिद करने लगे। कैफे के नियमों का हवाला देने पर आरोपियों ने कथित तौर पर जातिसूचक गालियां दीं और अखिल की पिटाई की। तहरीर के अनुसार, अनिल पांडे ने पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी भी दी। अखिल चौधरी ने आरोप लगाया कि 6 दिसंबर को आरोपी दोबारा कैफे पहुंचे और गालीगलौज करते हुए हफ्ता मांगने लगे। 7 दिसंबर को भी विवाद जारी रहा और मारपीट के दौरान उनकी चांदी की चेन तथा जेब में रखे 600 रुपये छीन लिए गए। इस मामले में अनिल पांडे, शिवांश यादव उर्फ छोटू, आकाश प्रताप सिंह, गोलू और सुमित जायसवाल सहित 6–7 अन्य अज्ञात लोगों पर हाथापाई और धमकी देने का आरोप है। पीड़ित ने अपनी जान–माल की सुरक्षा के लिए आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी (थ्ट) दर्ज करने की मांग की है। थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी विकास आनंद वर्मा ने कहा, कैफे के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल के बाद विवेचना को आगे बढ़ाया जाएगा।

हिस्ट्रीशीटर भाइयों ने युवक को अधमरा किया

कोर्ट के आदेश पर 30 लोगों पर छह महीने बाद एफआईआर, पांच नामजद तो 25 अज्ञात

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के शिवकुटी में हिस्ट्रीशीटर भाइयों ने 28 अन्य लोगों संग मिलकर घर में घुसकर एक परिवार से मारपीट की। बेटे को रास्ते में अगवा करने की कोशिश की और विरोधा पर अधमरा कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं की। अब कोर्ट के आदेश पर छह महीने बाद एफआईआर दर्ज की गई है।

भुलई का पुरवा, गोविंदपुर निवासी पार्वती देवी का आरोप है कि उसके मकान की खाली पड़ी जमीन कब्जाने के लिए मोहित पासी, राजकमल, मीरा देवी व इनके अन्य साथी आए दिन साजिश करते रहते हैं। 30 मई को सुबह लगभग 9रू30 बजे के करीब आरोपी अपने 20–25 साथियों संग हाथों में फावड़ा, कुदाल, लाठी, डंडा व असलहा लेकर घर में घुस आए और बाउंड्री, गेट गिराकर गालीगलौज करते हुए मारपीट की। उन्हें व उनकी बहू सीता देवी, बेटी उमा देवी को धक्का देते हुए जमीन पर गिरा दिया व लात घूसों से मारने पीटने लगे।

वह लगातार 112, 1090, 1076 पर शिकायत करते रहे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। परिवार ने 11रू30 बजे थाने पहुंचकर शिकायत दी लेकिन कुछ नहीं हुआ। अगले दिन फिर आरोपियों ने मारपीट की। शाम लगभग छह बजे छोटा बेटा धीरेन्द्र कुमार लहुलुहान हाल में घर पहुंचा। पूछने पर बताया कि आरोपियों ने अपहरण कर उसे गाड़ी में बैठाकर ले जाना चाहा। विरोध पर लाठी, डंडे व कट्टे की बट से हमला किया। इसके बाद उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। पार्वती का आरोप है कि मोहित पासी व राजकमल थाना शिवकुटी के हिस्ट्रीशीटर हैं।

तमिल से आए श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज (संवाददाता)। काशी तमिल संगमम् यात्रा के क्रम में आज बुधवार को बड़ी संख्या में तमिलनाडु से आए लोगों ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। कड मनीष कुमार वर्मा ने वीआईपी घाट पर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद सभी को स्टीमर से संगम नोज पर ले जाया गया। यहां सभी ने आस्था की डुबकी लगाई। हर–हर गंगे और जय श्री राम का उद्घोष किया गया। श्रद्धालुओं ने कहा, वर्षों से जो इंतजार था वह पूरा हुआ। संगम की पवित्र धरा पर आकर और त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान करके मानो जीवन ही धन्य हो गया। वीआईपी घाट पर ही इन श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों पर हर कोई भाव विभोर दिखा। दरअसल, श्रद्धालुओं का यह जत्था पहले काशी पहुंचा था। वहां बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद प्रयागराज पहुंचा था। यहां संगम में स्नान करने के बाद बांध स्थित बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन भी किए।

घर में घुसकर महिला को पीटा, कटर से ताला काटा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में महिला के घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ की गई। आरोप यह भी है कि हमलावर कटर से ताला काटकर कमरों में घुसे और 7500 नकद और ज्वैलरी उड़ा ले गए। पुलिलस ने तीन नामजद व 10 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। मामला सिविल लाइंस इलाके का है। पीड़िता म्योर रोड राजापुर की रहने वाली है। उसने बताया कि 26 नवंबर को दोपहर 03रू00 बजे वह अपनी बुआ के साथ बाहर कुछ सामान लेने गई थी। आरोप है कि वापस आई तो देखा कि शिव शंकर यादव, सतेन्द्र यादव, दीपू यादव 8–10 अज्ञात साथियों के साथ घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे हुए थे। आरोप है कि वह कीमती सामान को तोड़फोड़ कर बाहर फेंक रहे थे। विरोध करने पर गालियां दीं। मेरा बाल पकड़ कर पटक दिया। शिवशंकर व सतेन्द्र ने गलत नीयत से छुआ और कहा कि इज्जत बचाना चाहती हो तो भाग जाओ। कमरे का ताला कटर मशीन से काटकर सोने–चांदी के गहने व कीमती सामान के अलावा आलमारी में रखे 7500ध–रुपये उठा ले गए। आरोप है कि हमलावरों ने यह भी कहा कि दोबारा इस मकान में रहना चाहती तो एक लाख रुपये पहुंचाओ अन्यथा जान से परिवार समेत मार दी जाओगी। सिविल लाइंस इंस्पेक्टर रामाश्रय यादव ने बताया कि विवाद की जानकारी मिली है। जांच की जा रही है।

प्रयागराज में माघ मेला की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला 2026 की तैयारियां तेजी पर हैं। प्रशासनिक और मेला प्राधिकरण की टीमों ने युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है। सभी पांटून पुलों का लगभग 50: निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य दिन–रात जारी है। जमीन समतलीकरण और मिट्टी सुखाने का कार्य जारी गंगा किनारे जमीन समतलीकरण का काम तेजी से चल रहा है। नवंबर माह में बढ़े हुए जलस्तर के कारण कई स्थानों पर भूमि का लेवल बिगड़ गया था। ऐसे में पहले पानी की निकासी और फिर मिट्टी सुखाने का काम किया जा रहा है, इसको लेकर कार्य समय से नहीं हो पा रहा है समतलीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है ताकि समतल मार्ग तैयार किए जा सकें। इसी तरह बिजली विभाग भी युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। मेला क्षेत्र में पावर हाउस, बिजली पोल और नए तारों की स्थापना जारी है। अधिकारियों का कहना है कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था को इस बार और बेहतर एवं निर्बाध रखने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल अभी तक तक कुछ मुख्य मार्गों पर पोल लाइट और कनेक्शन चालू हो गए हैं। कुछ सेक्टर के पावर हाउस बनकर तैयार हो गए हैं साथ ही विभाग स्ट्रीट लाइटों और बिजली की सप्लाई का कार्य तेजी से कर रही है। उधर, टेंट सिटी बसने लगी है। कई सेक्टरों में टेंट और तंबू लगने शुरू हो चुके हैं। दूरदराज से आने वाले बाबाओं के जत्थे भी मेला क्षेत्र में पहुंचने लगे हैं और अपने–अपने अखाड़ों के आस–पास डेरा जमाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही मेला पुलिस लाइन बनकर तैयार है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में टीम की तैनाती हो सके। मेला प्रशासन के अनुसार, अखाड़ों और मठों के भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। सभी विभाग अपने–अपने हिस्से का कार्य तेजी से पूरा कर रहे हैं ताकि माघ मेला आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक और सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सके। जैसे– जैसे माघ मेला की तैयारी तेजी पकड़ रहीं है उसी को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर हर छोटी बड़ी चीजों को लेकर प्रशासन युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। पुलिस सुरक्षा कर्मियों के साथ –साथ फायर ब्रिगेड की टीम भी तैनात कर दी गयी है। शुरूआती स्तर पर परेड ग्राउंड , हनुमान मंदिर के पास और सेक्टर 2 में कुछ फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तैनात कर दी गयी है।

पश्चिमी यूपी में हाईकोर्ट बेंच की मांग 50 साल पुरानी

प्रयागराज (संवाददाता)। भाजपा के राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने राज्यसभा के शून्यकाल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग जोरदार तरीके से उठाई। उन्होंने कहा कि यह मांग 50 साल से ज्यादा पुरानी है और आबादी, क्षेत्रफल तथा लंबित मुकदमों के आधार पर पूरी तरह न्यायसंगत है। सांसद ने केंद्र सरकार से अपील की कि अब मेरठ, आगरा, गोरखपुर और काशी में चार नई बेंच स्थापित की जाएं। और प्रयागराज और लखनऊ हाईकोर्ट के क्षेत्रों का पुनर्निधारण किया जाए। बाजपेयी ने सदन में बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की मांग दशकों पुरानी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कुल लंबित मुकदमों में 63 प्रतिशत से अधिक पश्चिमी यूपी के हैं। यहां 10 लाख 33 हजार से ज्यादा केस पेंडिंग हैं।

संस्कृत ग्रन्थ और सार्वभौमिक अर्थ-संबंधी निरूपण पर कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में "संस्कृत ग्रन्थ और सार्वभौमिक अर्थ-संबंधी निरूपण (Sanskrit Texts and Universal Semantic Representation)" विषय पर चतुर्दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में डॉ. सोमापॉल, आचार्या, अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद एवं डॉ. सुखदा, सहायकाचार्या, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया।

कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं से प्रशिक्षणोपरान्त उनके अनुभवों के विषय में चर्चा करते हुए कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को उनके भविष्य हेतु अत्यन्त लाभदायक बताया। उन्होंने छात्र-छात्राओं की सीखने की आदत को प्रगति का मार्ग बताया। कार्यक्रम के संयोजक एवं भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने कार्यशाला की प्रशिक्षिकाओं डॉ. सोमापॉल एवं डॉ. सुखदा का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओं को ज्ञान पिपासु होने का आह्वान किया। कार्यशाला के समापन सत्र के सहसंयोजक डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, सहायकाचार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण परमहंस, डॉ. सुरेश पाण्डेय, अंकित मिश्र, संजय कुमार मिश्र, राजेशकान्त तिवारी समेत परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

लोकपाल समाज शेखर आज मांधाता ब्लाक के ग्राम पंचायत बरईपुर में 13 दिसंबर को बिहार ब्लाक के बिहरिया में लगेगी लोकपाल की ग्राम चौपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर 11 दिसंबर को मांधाता ब्लाक के बरई पुर सहित आस पास के ग्रामों का भ्रमण कर निरीक्षण करेंगे वहीं नर्सिंग कालेज में आयोजित ग्रामीण खेल कूद कार्यक्रम में भी विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। 13 दिसंबर को लोकपाल बिहार ब्लाक के बिहारिया ग्राम में ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर ग्रामीणों, मजदूरों व आम नागरिको की समस्या सुनेंगे और समाधान करेंगे। लोकपाल ने आजीविका मिशन के मुख्य लेखाकार अभय सिंह के साथ ग्रामीण स्वरोजगार योजनाओ व अमृत फल आँवले के उत्पादो के स्थानीय स्तर पर अधिकाधिक उपयोग की संभावनाओ पर पूर्व में तय कार्यो की प्रगति पर चर्चा की।

इस संबंध में जिला लोकपाल कार्यालय द्वारा अवगत कराया गया है कि लोकपाल समाज शेखर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 को प्रयागराज सीमा पर स्थित बिहार ब्लाक के बिहरिया गाँव मे आयोजित ग्राम चौपाल में प्रतिभाग करेंगे। साथ ही लोकपाल ग्राम का भ्रमण करके प्राकृतिक संसाधनों व किये गए विकास कार्यो का स्थलीय जायजा लेंगे। वहीं ग्राम पंचायत को आवश्यक सुझाव व मार्गदर्शन करेंगे। लोकपाल आस पास के समीपवर्ती ग्रामों का भी आवश्यकतानुसार भ्रमण व निरीक्षण कर सकते है। उन्होंने बीडीओ व ग्राम विकास अधिकारी को सार्वजनिक स्थल पर मानक के अनुसार नियमानुसार सुव्यवस्था के साथ आयोजित हो। जिसमे ग्राम्य विकास विभाग के संबंधित सभी ग्राम व ब्लाक स्तरीय मनरेगा कर्मी व अधिकारी अवश्य प्रतिभाग करें। वहीं लोकपाल ने मजदूरों सहित समस्त ग्रामीणों को सूचित किये जाने का निर्देश दिया है।

साफ सफाई को लेकर महापौर ने बैठक आहूत की

प्रयागराज। उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी महापौर द्वारा नगर निगम द्वारा वर्तमान समय में शहर में बेहतर साफ सफाई के सम्बन्ध में बैठक आहुत की गयी। बैठक में साई तेजा नगर आयुक्त,दीपेन्द्र यादव अपर नगर आयुक्त, डा0 महेश कुमार नगर स्वास्थ्य अधिकारी, समस्त जोनल अधिकारी, राम सक्सेना अवर अभियन्ता व जोनल सीनेटरी निरीक्षक उपस्थित रहे।

मा0 महापौर द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुये समस्त अधिकारियों को शहर की सफाई व्यवस्था की वर्तमान व्यवस्था से अवगत कराया गया कि शहर के सभी डिवाईडरों के दोनों तरफ, रोड के किनारे स्थित पेड़ तथा सभी ओवर ब्रिज के नीचे तथा स्टेशन से जाने वाले मार्गो पर गन्दगी व्याप्त है। मा0 महापौर द्वारा निर्देश दिये गये कि उक्त सभी स्थानों की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ की जाय इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। इसके अतिरिक्त रोड के किनारे स्थित पेड़ें व शहर में स्थापित मूर्तियों की सफाई प्रतिदिन व अल्टरनेट डे पर कराना सुनिश्चित किया जाय तथा माल्यार्पण की व्यवस्था की जाय। स्प्रिंकल मशीनों के संचालन का रूट चार्ट मेरे कार्यालय को भी उपलब्ध कराया जाय। आगामी दिनों में माघ मेला 2025 जनवरी में प्रारम्भ होगा इसको दृष्टिगत रखते हुये मेला मार्ग, स्टेशन व हवाई अड्डा जाने व आने मार्ग को समुचित तरह से साफ रखा जाय। गंगा यमुना के किनारे के घाटों को स्वच्छ रखा जाय तथा अस्थाई चेंजिग रूम व शौचालय की व्यवस्था रखी जाय।

अपंजीकृत क्लिनिक/अस्पताल का संचालन कर रहे व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया गया

मुजफ्फरनगर स जिलाधिकारी उमेश मिश्रा व मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय डॉ सुनील तेवतिया के आदेशों के अनुपालन में अपंजीकृत क्लिनिकध्अस्पताल का संचालन कर रहे व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान के अंतर्गत आज दिनांक '10ध्12ध्25' को ब्लॉक चरथावल के अंतर्गत नेशनल पैथोलॉजी लैब और डॉ देवेंद्र क्लीनिक अपंजीकृत क्लिनिकध्नर्सिंग होम को मौके पर कोई भी वैध पंजीकरण अथवा शैक्षिक अहर्ता के अभिलेख ना मिलने तथा कोई भी संतोषजनक जवाब ना मिलने पर ब्लॉक चिकित्सा अधीक्षक चरथावल डॉ सतेंद्र कुमार व टीम द्वारा सीलिंग की कार्यवाही करते हुए नियमानुसार नोटिस निर्गत किया गया।

कोल्हुओं में प्रतिबंधित ईंधन का धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल, बढ़ता प्रदूषण बढा रहा चिंता

मंसूरपुर। एनसीआर में संचालित अनगिनत कोल्हुओं में इन दिनों प्रतिबंधित ईंधन का बेधड़क उपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण आस-पास के गांवों और बस्तियों में गंभीर वायु प्रदूषण फैल रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, कोल्हुओं से उठने वाला काला, जहरीला धुआं हवा में इस कदर घुल जाता है कि लोगों के लिए सामान्य रूप से सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। बावजूद इसके, प्रदूषण नियंत्रण विभाग इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी और चिंता दोनों लगातार बढ़ रही है।

जानकार बताते हैं कि पहले कोल्हुओं में परंपरागत एवं अनुमन्य ईंधन का प्रयोग होता था, जिससे धुआं कम निकलता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से कई कोल्हू संचालक सस्ता और प्रतिबंधित ईंधन दृ जैसे प्लास्टिक, रबर, पुराने टायर जला रहे हैं। इन पदार्थों के जलने से अत्यधिक मात्रा में कार्बन, सल्फर और अन्य हानिकारक रसायन वायुमंडल में फैल जाते हैं, जो सीधे लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। अनुमन्य ईंधन से निकलने वाले धुएं की तीव्रता इतनी होती है कि सुबह और शाम के समय चारों ओर काला कुहासा-सा छा जाता है, जिससे आंखों में जलन, खांसी और सांस फूलने जैसी समस्याएं बढ़ गई हैं। एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने का एक मुख्य कारण कोल्हू में अनुमन्य ईंधन का प्रयोग होना भी है जिसपर प्रदूषण विभाग को ध्यान देना चाहिए। बुजुर्गों और बच्चों पर इसका प्रभाव अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। आसपास स्थित घरों में रहने वाले परिवार बताते हैं कि प्रदूषण के कारण उन्हें कई बार दरवाजे-खिड़कियां बंद रखनी पड़ती हैं। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि धुएं के कारण खेतों में खड़ी फसलों पर परत जम जाती है, जिससे उनकी पैदावार प्रभावित होती है। पशुपालकों का कहना है कि लगातार धुआं और बदबू से मवेशियों में भी श्वसन संबंधी दिक्कतें देखी जा रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रदूषण विभाग इस पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय टीमें कभी-कभार ही क्षेत्र में आती हैं और कोल्हुओं की वास्तविक स्थिति की जांच नहीं करतीं। कोई ठोस कार्रवाई न होने से कोल्हू संचालकों के हौसले और बढ़ गए हैं। यदि संबंधित विभाग समय पर सख्ती दिखाए तो न केवल प्रदूषण कम होगा बल्कि अवैध ईंधन का उपयोग भी रुक जाएगा। प्रतिबंधित ईंधन का उपयोग न केवल वायु गुणवत्ता को खराब करता है बल्कि दीर्घकाल में फेफड़ों, हृदय तथा त्वचा संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। यह प्रदूषण बच्चों की वृद्धि और बुजुर्गों की प्रतिरोधक क्षमता पर भी नकारात्मक

प्रभाव डालता है। विशेषज्ञों ने प्रशासन को सलाह दी है कि कोल्हुओं की नियमित जांच हो, दोषी संचालकों पर जुर्माना लगाया जाए और अनुमन्य ईंधन का उपयोग सुनिश्चित कराया जाए। वही दूसरी ओर कोल्हू मालिक बिजली विभाग के छोटे कर्मचारियों से सैटिंग कर कटिया केबल डालकर विभाग को चुना लगा रहे है बिजली विभाग के अधिकारीयो को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग सक्रिय भूमिका निभाए तथा जल्द से जल्द छापेमारी कर प्रतिबंधित ईंधन के उपयोग पर रोक लगाए। साथ ही क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छ वायु के महत्व से अवगत कराया जाए।

फिलहाल, कोल्हुओं से उठते जहरीले धुएं के चलते मंसूरपुर और आसपास की बस्तियों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल होता जा रहा है। ग्रामीण प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं ताकि उन्हें स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार वापस मिल सके।

पारंपरिक चिकित्सा पर द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक शिखर सम्मेलन 17 दिसंबर से

चेन्नई। होम्योपैथी विकलांग अनुसंधान संस्थान चेन्नई तथा केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद आयुष मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के सलाहकार और सहायक निदेशक (सेवानिवृत्त) डॉ कोल्ली राजू ने एचआरआईडी चेन्नई की प्रयोगशाला तकनीशियन

श्रीमती चित्रा भास्करन के साथ अतिरिक्त महानिदेशक, प्रेस सूचना ब्यूरो, स्वामी शिवानंद सलाई, (चेन्नई) के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर पारंपरिक चिकित्सा पर प्रस्तावित द्वितीय डब्ल्यूएचओ वैश्विक शिखर सम्मेलन पर प्रकाश डाला। जैसाकि विदित है कि आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की मेजबानी में आगामी 17 से 19 दिसंबर तक भारत मंडपम नई दिल्ली में वैश्विक शिखर सम्मेलन विनिश्चित है। यह संवाददाता सम्मेलन भारत सरकार के निदेशक अनुसार जनता को प्रस्तावित इस द्वितीय डब्ल्यूएचओ सम्मेलन के प्रति जागरूक करना है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के प्रारंभ में पी.आई.बी.(चेन्नई) के मुख्य मीडिया और संचार अधिकारी थिरु.ए.अझागु दुरई द्वारा स्वागत किया गया।

होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान फॉर डिसेबिलिटीज (चेन्नई) के सलाहकार डॉ कोल्ली राजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस सम्मेलन की जरूरत के बारे में बताया और प्रेस को सूचित किया ।

भारत सरकार के आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने आगामी 17 से 19 दिसंबर को भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित होने वाले दूसरे डब्ल्यूएचओ ग्लोबल समिट ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन पर राष्ट्रीय मीडिया केंद्र नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया । भारत सरकार के आयुष मंत्री ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा डब्ल्यूएचओ ग्लोबल समिट, सर्वे भवंतु, सुखिनः, सर्वे संत निरामयाः के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप मानवता के स्वास्थ्य, खुशी और कल्याण के लिए पारंपरिक चिकित्सा के सामूहिक वैश्विक प्रयास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। श्री जाधव ने बताया कि इस वर्ष शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में संतुलन बहाल करना है।

उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन 100 से अधिक देशों के मंत्रियों, नीति निर्माताओं, वैश्विक स्वास्थ्य नेताओं, शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और चिकित्सकों को एक साथ लाएगा। माननीय मंत्री ने कहा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री 19 दिसंबर को शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में भाग लेंगे। डॉ कोल्ली राजू ने केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से 1978 से अपने 29 अनुसंधान संस्थानों और पूरे भारत में अनुसंधान इकाइयों के माध्यम से चल रही गतिविधियोंऔर विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। उन्होंने होम्योपैथिक रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर डिसेबिलिटीज चेन्नई की गतिविधियों और सौंपी गईअपनी शोध परियोजनाओं के बारे में भी बताया।

इस संवाददाता सम्मेलन में दूरदर्शन केंद्र चेन्नई, ऑल इंडिया रेडियो चेन्नई, जया टीवी चेन्नई, वेलचुम टीवी और तेलुगु समाचार टाइम रिपोर्टर, दिनातांती रिपोर्टर समेत कई अन्य संवाददाताओं ने भाग लिया। श्रीमती चित्रा भास्कर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

उत्तर विश्व की धार्मिक राजधानी है ज्योतिर्मठ

ज्योतिर्मठ, चमोली। शीतकालीन चारधाम तीर्थ दर्शन यात्रा दल श्परमाराध्यश परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर अनन्तश्रीविभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती श्१००८श जी महाराज के पावन सान्निध्य में यात्रा के आखरी पडाव भगवान बदरीविशाल की शीतकालीन पूजा स्थली ज्योतिर्मठ के नृसिंह मंदिर परिसर में पहुंचा ।

उपस्थित भक्त जनों को सम्बोधित करते हुए पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि ज्योतिर्मठ समस्त उत्तर विश्व की धार्मिक राजधानी है। यह पौराणिक और धार्मिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण धार्मिक नगर है। जहां आदिगुरु शंकराचार्य ने सबसे अधिक समय तक तप और साधना की । उन्होंने कहा कि 11 से 16 वर्ष तक यहां रहते हुए आदिगुरु शंकराचार्य ने इस स्थान में रह कर भाष्यों की रचना की । उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा अनादि काल से चली रही है। यह यात्रा भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और मोक्ष प्राप्त के लिए की जाती है।

उत्तराखंड चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के महासचिव डॉक्टर बृजेश सती ने कहा कि उत्तराखंड स्थित चार धामों के शीतकालीन यात्रा के लिए यह ऐतिहासिक क्षण हैं। बताया कि इस दल में 12 राज्यों एवं ब्राजील की एक तीर्थ यात्री समेत कुल 200 से अधिक लोग शामिल रहे।

ज्योतिर्मठ प्रभारी स्वामी प्रत्यक्चौतन्यमुकुन्दानन्द गिरि ने शीतकालीन यात्रा के समापन की घोषणा कर सभी यात्रियों को शुभकामनाएं दी ।

इससे पहले तीर्थ यात्रा दल के ज्योतिर्मठ आगमन पर परिसर के सभी देवस्थानों पर जाकर दर्शन किए नृसिंह भगवान की विशेष पूजा और आरती सम्पन्न की।

देव पुजाई समिति के पदाधिकारियों एवं स्थानीय तीर्थ पुरोहितों, हक कूकधारियों द्वारा भव्य स्वागत एवं पादुका पूजन किया गया।

देव पुजाई समिति की ओर से शंकराचार्य का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रहे सर्वश्री स्वामी अप्रमेयशिवसाक्षात्कृतानन्द गिरि, शारदानन्द ब्रह्मचारी, देवपुजाई समिति के अध्यक्ष अनिल नंबूरी, यमुनोत्री धाम के रावल अनुरुद्ध प्रसाद उनियाल, विजय प्रसाद डिमरी, पूर्व वेदपाठी कुशलानंद बहुगुणा, ब्रह्म कपाल तिरुपुर पंचायत समिति के केंद्रीय अध्यक्ष उमेश सती, बदरीनाथ मंदिर के मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, श्री राम सजीवन शुक्ल (प्रयागराज),नितिन पंत, किशोर दबे, देवेन्द्र पाण्डेय, नरेन्द्र भारद्वाज, शिवानन्द उनियाल आदि उपस्थित रहे ।

उक्त जानकारी एडवोकेट वी. के. शुक्ल (इलाहाबाद हाईकोर्ट) ने दी के पूज्य पिता श्री राम सजीवन शुक्ल जी को प्रयागराज की पावन धरती से शीतकालीन चारधाम तीर्थ दर्शन यात्रा मैं शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

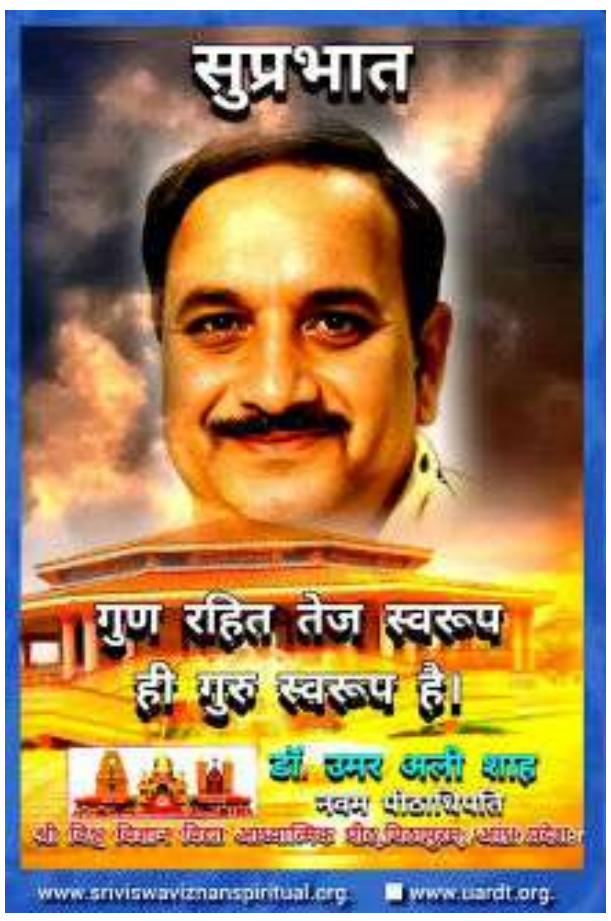

मोहक लाल गुलाब

मोहक लाल गुलाब में, समाविष्ट मधुशक्ति।
आध्यात्मिक आनन्द की, है पावन अभिव्यक्ति।
है पावन अभिव्यक्ति, सौम्य परिवर्तनकारी।
दुराग्रहों पर नित्य, पड़ रही है जो भारी।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रेम का बनकर द्योतक।
रंगों का संसार, बसाती है यह मोहक।

पावन फूल गुलाब में, निहित आंतरिक ज्ञान।
आत्मशक्ति का कर रहा,आध्यात्मिक उत्थान।
आध्यात्मिक उत्थान, प्रेम को परिभाषित कर।
उर्जित करे विचार, हृदय में खुशबु भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, खत्म कर सारे अनबन।
हरि चरणों में बैठ, सभी कुछ करता पावन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पार्टी के प्रति निष्ठावान व सक्रिय कार्यकर्ताओ को मिलेगी जिम्मेदारी-पवन वर्मा

मेरठ, लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास के प0 उत्तरप्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा ने बताया कि 13 दिसंबर को हापुड़ में पार्टी की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है जिसमे 2027 के विधानसभा चुनावों व पंचायत चुनावों के दृष्टिगत जनपद के जिलाध्यक्षो व प्रदेश पदाधिकारियो के द्वारा संगठन में किये गए कार्यो की समीक्षा की जाएगी पार्टी के प्रति निष्ठावान व सक्रिय पदाधिकारियो को ससम्मान उचित पद दिया जाएगा साथ ही निष्क्रिय पदाधिकारियो को पदमुक्त करते हुए पार्टी के निष्ठावान पदाधिकारियो को अहम जिम्मेदारी दी जाएगी । पवन वर्मा ने कहा कि बिहार विधानसभा में शानदार सफलता सिर्फ संगठन के द्वारा ही प्राप्त हुई है जिसमे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रभारी जी के साथ साथ सभी राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा संगठन को मजबूत करने हेतु गत 2 वर्षों से मेहनत की गई जिसके फलस्वरूप 19 विधायक हमे बिहार से मिले है जब तक पार्टी संगठन मजबूत नही होगा तब तक पार्टी धरातल पर मजबूत नही हो सकती। पवन वर्मा के कहा कि पार्टी संगठन में आमूल चूल परिवर्तन कर सक्रिय पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण पद दिए जाएंगे।

भयहरण नाथ धाम क्षेत्र में मूल भूत स्वास्थ्य सुविधा हेतु सामाजिक सत्याग्रह 14 दिसंबर को

प्रतापगढ़। नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह व भय हरण नाथ धाम क्षेत्र में मूल भूत स्वास्थ्य सुविधा हेतु 14 दिसंबर रविवार को सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा होगा। जिसका संयोजन पांच सदस्यीय टीम लाल जी सिंह, राजीव नयन मिश्र, डॉ अमर बहादुर सिंह, डॉ बच्चा लाल पटेल तथा डॉ अशोक अग्रहरि द्वारा किया जायेगा। भयहरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर के मार्गदर्शन में आयोजित इस सत्याग्रह का उदेश्य है कि इस क्षेत्र की बिगड़ी लचर स्वास्थ्य सुविधा व प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्र की अव्यवस्था के प्रति जिला प्रशासन व शासन का ध्यान आकृष्ट कराके क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। यह सत्याग्रह रविवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक सरदार पटेल तिराहा पर होगा, जो पूरी तरह अराजनैतिक व सामाजिक तथा शांतिमय आयोजित होगा।

प्रोफेसर पीयूष कान्त शर्मा बने इतिहास संकलन समिति काशी के प्रान्तीय महासचिव

प्रतापगढ़। नगर के एम डी पी जी कॉलेज में प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष कान्त शर्मा को समालखा, पानीपत, हरियाणा में आयोजित अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के त्रयोदश राष्ट्रीय महाधिवेशन में इतिहास संकलन समिति काशी के प्रान्तीय महासचिव का दायित्व सौंपा गया।

इतिहास संकलन समिति राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विचार परिवार का संगठन है जो देश भर के विभिन्न प्रान्तों में विद्वानों के माध्यम से सत्यान्वेषी, भारतीय चौतन्य के प्रकाश में इतिहास लेखन करने और जनमानस को उससे जोड़ने का कार्य करता है। प्रोफेसर शर्मा के इस दायित्व ग्रहण पर उदयभानु सिंह, गोविन्द खण्डेलवाल, अश्विनी केसरवानी, गिरिजाशंकर मिश्र, संजीव आहूजा, शिशिर खरे, श्री नारायण शुक्ल, शरद केसरवानी आदि ने शुभकामना देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

सम्पादकीय.....

वंदे मातरम का उद्घोष

यह सुखद ही है कि कृतज्ञ राष्ट्र देश के स्वतंत्रता सेनानियों में ओज का संचरण करने वाले गीत वंदे मातरम के सृजन के डेढ़ सौ साल पूरे होने को एक उत्सव की तरह मना रहा है। स्वतंत्रता के लिये संघर्षरत करोड़ों भारतीयों में इस गीत ने आजादी का जज्बा भरा था। लाखों स्वतंत्रता सेनानी इस गीत से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में सर्वस्व अर्पित करने को तत्पर हो जाते थे। इस पावन वेला में देश के विभिन्न भागों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सही मायनों में यह अवसर राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी है। इस गीत की सर्वस्वीकार्यता का आलम ये था कि भारत आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान की दृष्टि से देखा था। इसी आलोक में वंदे मातरम के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर लोकसभा में इस पर चर्चा का शुरू होना सुखद ही है। संसद में प्रधानमंत्री ने कहा भी कि जब इस गीत के सृजन के पचास साल पूरे हुए तो देश परतंत्र था। जब इसके सौ साल पूरे हुए तो देश आपातकाल के दौर से गुजर रहा था, फलतरू उस दौर में इस गीत को जनता व स्वतंत्रता सेनानियों का सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। निस्संदेह,बंकिम चंद्र चटर्जी की इस रचना ने बंगाल में क्रांतिकारियों को गहरे तक प्रेरित किया और स्वतंत्रता संग्राम को गति देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। हालांकि, विपक्ष इसे सुर्खियों में लाने के फैसले के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहा है। वे इसके समय को लेकर प्रश्न उठा रहे हैं। अविभाजित बंगाल की पृष्ठभूमि में जन्मे इस ओज के गीत को बंगाली समाज ने अपनी अस्मिता से जोड़कर देखा। खासकर बंगाल विभाजन के बाद इसे बंगाल की अस्मिता पर फिरंगियों के प्रहार के दौर में एक मरहम के तौर पर देखा। निस्संदेह, देश ऐसे स्मरण उत्सव का हकदार है, मगर वे चुनावी नजरियों से मुक्त हों। विपक्ष की दलील है कि जब पश्चिम बंगाल एक महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है तो इस गीत के प्रसंगवश राजनीतिक लाभ–हानि के तर्क गढ़े जा रहे हैं। संसद में प्रधानमंत्री के संबोधन में वंदे मातरम को एकता के सूत्रधार के रूप में सराहा गया। लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों पर भी चर्चा हुई। दरअसल, उन्होंने जब भी कांग्रेस की आजादी से पहले और बाद की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया या फिर ऐतिहासिक विवादों का नये सिरे से जिक्र किया, तो विपक्ष ने उसे निशाने पर लिया। विपक्षी दलील है कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान करने की कवायद में वैचारिक विभाजन को हवा दी जा रही है। कहा गया कि पश्चिम बंगाल, जहां इस गीत का जन्म हुआ, वहां की सांस्कृतिक पहचान राजनीति से जुड़ी रही है। वंदे मातरम एक भावनात्मक प्रतीक है और इसीलिए एक रणनीतिक प्रतीक भी। दरअसल, विपक्ष की नाराजगी राजग सरकार की उस प्रवृत्ति को लेकर है जिसमें वह सांस्कृतिक प्रतीकों को राजनीतिक अखाड़े में बदल रही है। उन्हें आशंका है कि साझी विरासत पर चिंतन के लिये आयोजित विमर्श का उपयोग चुनावी लाभ अर्जित करने के लिये किए जाने का खतरा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अपनी जड़ें जमाए हुए है, फिर भी उसे सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। संसद में राष्ट्रीय गीत पर चर्चा का ममता बनर्जी द्वारा समर्थन किया जाना दर्शाता है कि वह इस मुद्दे को छोड़ने का इरादा नहीं रखती हैं। विडंबना ही है कि लाखों स्वतंत्रता सेनानियों में ओज भरने वाले गीत के विमर्श में चिंतन की गंभीरता प्रभावित हुई है। निश्चित रूप से पश्चिम बंगाल आज बेरोजगारी, पलायन और राजनीतिक हिंसा से जूझ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि हमारा सांस्कृतिक गौरव आवश्यक है, लेकिन यह सुशासन का विकल्प नहीं हो सकता। इस ओज के गीत के 150 साल पूरे होने पर, इसे एकता को मजबूत करने और राष्ट्रवाद को बहुलता से स्वीकार करने के अवसर के रूप में होना चाहिए था। लेकिन इसके बजाय, इस बहस के ध्रुवीकृत माहौल में बदलने के विवाद के पैदा होने की चिंता है। सही मायनों में देश के नेतृत्व का इतिहास का उपयोग राष्ट्र को एकजुट करने वाला होना चाहिए।

नियम बनाकर उनसे पीछे हटने से क्या संदेश जाता है?

मिन्हाज मर्चेंट

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश के हवाई अड्डों पर जो अराजकता पैदा हुई है, उसने मुख्यतया दो सवाल खड़े किए हैं। पहला, क्या डीजीसीए ने पायलटों और चालक दल पर नए नियम लागू करने में जरूरत से ज्यादा सख्ती दिखाई थी? दूसरा, क्या इन नियमों के पालन में लापरवाही के लिए इंडिगो जिम्मेदार है? डीजीसीए को अपने नए दिशानिर्देश अस्थायी रूप से वापस लेने पड़े हैं। उन दिशानिर्देशों के अनुरूप पायलटों और चालक दल के रोस्टर की तैयारी के लिए इंडिगो के पास 20 महीने का समय था। पायलट–प्रति–विमान अनुपात के मामले में इंडिगो–एअर इंडिया और अन्य भारतीय एयरलाइनों की तुलना में सबसे नीचे है। वास्तव में पायलटों की कम संख्या इंडिगो की लागत घटाने की रणनीति का हिस्सा है। इसी ने उसे दुनिया की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली एयरलाइनों में शामिल किया है। 2024–25 में उसने 7,258 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था और उसकी मार्केट–कैप 2.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई थी। एयर डेक्कन के जीआर गोपीनाथ ने एक लेख में कहा है कि डीजीसीए के नियम तय करते हैं, पायलट और केबिन–क्रू अधिकतम कितने घंटे काम, उड़ान व ड्यूटी पर रह सकते हैं। नियम कह सकते हैं कि कोई पायलट एक वर्ष में 900 घंटे की उड़ान भर सकता है, लेकिन 28 दिनों में 100 घंटे से अधिक नहीं। या दो पायलटों के साथ 8 घंटे से अधिक उड़ान नहीं। जबकि 3–4 पायलटों के साथ एक दिन में 13–16 घंटे तक की ऐसी उड़ानें संभव हैं, जिनमें 5–6 से अधिक स्टॉपओवर और रात में अधिक लैंडिंग शामिल न हों। लेकिन डीजीसीए–इंडिगो विवाद दिखाता है कि कैसे रेगुलेटरी अथॉरिटी व्यापारिक दक्षता बढ़ाने के मूल उद्देश्य को ही बाधित कर देते हैं। हाल में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व वाले दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने मोबाइल फोन निर्माता कंपनियों के लिए संचार साथी एप को अनिवार्य रूप से प्री–इंस्टॉल करने का निर्देश जारी किया था। इसका उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी रोकना था, लेकिन एक्टिविस्टों का कहना था कि इससे डेटा चोरी बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, इंडिगो मामले की तरह सरकार को इसमें भी नियम में संशोधन करना पड़ा और संचार साथी एप की प्री–इंस्टॉलेशन को स्वैच्छिक कर दिया गया। अपने फैसलों से इस तरह लगातार पीछे हटने से संकेत मिलता है कि नियामक संस्थाएं नौकरशाही के नियंत्रण में फंस चुकी हैं। प्रक्रियाओं को सरल बनाने के बजाय नए नियम अकसर उनके अनुपालन को कठिन बना देते हैं, जिससे अधिकारियों को अधिक शक्तियां मिल जाती हैं। यह ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के लक्ष्य के विपरीत है। कई नए नियम तो बिना संभावित परिणामों का पर्याप्त अध्ययन किए लागू किए प्रतीत होते हैं। कुछ सप्ताह पहले ही सरकार को क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (क्यूसीओ) वापस लेने पड़े थे, जिनसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यावहारिक रूप से दूभर हो गया था। जरूरत से ज्यादा नियम लादने का मूल कारण यह है कि एआई और ऑटोमेशन के दौर में अधिकारी अपने–अपने डोमेन पर नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं। तकनीकी बदलावों ने वे रास्ते बंद कर दिए हैं, जिनके माध्यम से अधिकारी अपने विवेकाधिकार का उपयोग करके लाभ उठा सकते थे। जैसे–जैसे वे मौके समाप्त हो रहे हैं, नौकरशाही नए नियमों के जरिए फिर से कुछ अधिकार प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। अनुपालन को कठिन बनाकर इन अवसरों की खिड़की को थोड़ा–सा खुला रखा जाता है। मसलन, आधार कार्ड को लेकर हाल ही में किए गए बदलाव में केयर ऑफ विकल्प–जिसमें पिता का नाम दर्ज होता था– हटा दिया गया। इससे आधार केंद्रों पर भौतिक सत्यापन के लिए लंबी कतारें लग गईं और आरटीओ में भी लोगों को कठिनाई हुई, क्योंकि सभी विवरणों का मेल आवश्यक था। आमजन के काम को सरल बनाने की जगह ऐसे रेगुलेटरी बदलाव उसे और जटिल कर देते हैं। इंडिगो–डीजीसीए विवाद ने इस एयरलाइन की साख के साथ–साथ डीजीसीए की निगरानी क्षमता पर भी आघात किया है। नागरिक उड्डयन नियामक पहले ही एयर इंडिया बोइंग दुर्घटना पर अपनी जल्दबाजी में तैयार रिपोर्ट को लेकर आलोचना का सामना कर रहा है। उस रिपोर्ट में अमेरिकी विमान निर्माता को लगभग दोषमुक्त दिखाया गया था और दोष पायलट पर मढ़ दिया गया था। आज डीजीसीए में स्टाफ की भारी कमी है और कार्यभार अत्यधिक है। प्रभावी नियमन के लिए दोनों समस्याओं का समाधान आवश्यक है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और एविएशन की विश्वसनीयता बनी रहे। ज्यादा नियम लादने का कारण यह है कि एआई व ऑटोमेशन के दौर में अधिकारी पने डोमेन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जैसे–जैसे पुराने मौके समाप्त होते हैं, वे नए नियमों के जरिए अधिकार पाने की कोशिश करते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गोवा हादसा: झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

ललित गर्ग

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर–जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही–सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर–लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं। गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है–क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर–जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं–सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग–ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं। नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं–"दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा", "उच्च स्तरीय जांच की जाएगी", "मुआवजा दिया जाएगा", लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव–मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन–स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक–दमक पर। गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है।यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है। हमारे नीति–नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान–माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम–कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक–केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं–हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरुआत बनाएं।

संसद में खतरनाक खेल की शुरुआत

प्रेम शुक्ल

देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के खेल को भाजपा अब एक खतरनाक स्तर पर ले आई है। इसे रोकना या इसका हल निकालना आसान नहीं है, क्योंकि अब ध्रुवीकरण हिंदू या मुसलमान बोलकर नहीं हो रहा है, राष्ट्रवाद के नाम पर हो रहा है। इस खेल में इतिहास को बदला जा रहा है, तथ्यों पर झूठ चढ़ाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह सब संस्थागत तरीके से हो रहा है। सोमवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा करना इसी का प्रमाण है। इस बार का शीतकालीन सत्र बेहद छोटा है, जिसमें कामकाज के कुछ घंटे पहले ही हंगामे में निकल चुके हैं। बचे वक्त का अच्छा इस्तेमाल देश के सामने आई बड़ी विपदाओं पर चर्चा कर उनका हल निकालने या विकास के लिए जरूरी मुद्दों पर विमर्श करने में लगाया जा सकता था। एसआईआर के कारण बीएलओज की मौत, इंडिगो संकट के कारण लाखों यात्रियों पर आई मुसीबत, दिल्ली में आतंकी हमला, प्रदूषण, रुपए की गिरती कीमत, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के पेंच, महंगाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, किसान–मजदूर हित, युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति ऐसे ढेरों मुद्दे हैं जिन पर संसद का कीमती वक्त लगना चाहिए था।

लेकिन सोमवार से लेकर मंगलवार तक लोकसभा और फिर राज्यसभा में वंदेमातरम् पर चर्चा तय की गई। देश में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि डेढ़ सौ साल पहले लिखे गीत को लेकर अकारण बहसबाजी की जाए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी यह दुस्साहस कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हर हाल में देश को उन ताकतों से मुक्त करना है, जिनके कारण संविधान बना हुआ है। यह संविधान ही है जो देश में तानाशाही कायम नहीं होने देता। लोगों को हिम्मत देता है कि अगर उन्हें सरकार का कोई फैसला पसंद न आए या अपने हित खतरे में पड़ते दिखें तो उसके खिलाफ आवाज उठाएं। इसी संविधान की दी हुई ताकत से किसानों ने एक साल लंबा आंदोलन चलाया, जिसके बाद नरेन्द्र मोदी को कृषि कानून वापस लेने पड़े। अभी संचार साथी ऐप प्रीइंस्टाल करने का फैसला हटाना पड़ा। वक्फ संशोधन अधिनियम को संसदीय समिति के पास भेजना पड़ा। ऐसे कई उदाहरण है, जिनमें बहुमत के बावजूद मोदी सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। यही बात शायद सरकार को खटक रही है, क्योंकि इस बार तो संसद में विपक्ष पहले से अधिक ताकतवर है। ऊपर से बिहार चुनाव हारने के बावजूद राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा छोड़ नहीं रहे हैं। इसलिए अब नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् का विवाद खड़ा कर कांग्रेस को निशाने पर लेने की एक और कोशिश की है। संसद में श्री मोदी के भाषण से यह समझ आ गया कि चर्चा शब्द का मुखौटा लगाकर भाजपा देश को नुकसान पहुंचाने वाली ताकतों को बढ़ावा दे रही है, ठीक ऐसा ही काम भाजपा के पुरखों यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू महासभा ने किया था। आजादी की लड़ाई के लंबे कालखंड में संघ का योगदान रत्ती भर भी देखने नहीं मिलता है। बल्कि इस बात के सबूत हैं कि वी डी सावरकर ने सजा से बचने के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी और उनकी सेवा करने का वचन दिया। भारत छोड़ो आंदोलन के वक्त भी संघ के लोग अंग्रेजों के लिए मुखबिरी कर रहे थे और जनता को अंग्रेजी फौज में भर्ती होने के लिए उकसा रहे थे। लेकिन आज उसी संघ से निकले नरेन्द्र मोदी कांग्रेस पर देश विभाजन का आरोप लगा रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे के लिए झुकी। इसलिए कांग्रेस को एक दिन भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया था। इसको लेकर कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा था। इसके बाद उन्होंने कहा कि श्जब वंदे मातरम् के 100 साल हुए थे, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। लगभग एक घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री ने 13 बार कांग्रेस और 7 बार नेहरू का नाम लिया। श्री मोदी ने पं.नेहरू को मुस्लिम लीग के आगे झुकता बता दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि 1937 में ब्रिटिश इंडिया में कुल 11 राज्य थे, तब चुनाव हुए तो कांग्रेस ने 7 राज्यों में सरकार बनाई।

क्या शुरू होने वाला है बड़ा इंटरनेशनल कोलैब, जैकलिन और टायला ने की मुलाकात

ग्लोबल म्यूजिक सेंसेशन टायला ने अपने इंडिया ट्रिप में खूब सुर्खियाँ बटोरीं, जहाँ उनकी मुलाकात बॉलीवुड स्टार जैकलिन फर्नांडीज से हुई। यह मुलाकात उनके दौरे का सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला पल बन गया है। टायला, जो अपनी अनोखी आवाज से इंटरनेशनल चार्ट्स पर छाई हुई हैं, और जैकलिन, जो लगातार ग्लोबली चमक दिखा रही हैं, दोनों को एक साथ देखकर फैंस और मीडिया पोर्टल्स के बीच खूब हलचल मच गई। टायला के इंडिया टूर की शुरुआत ही एक स्पेशल मोमेंट के साथ हुई, क्योंकि उन्होंने सबसे पहले बॉलीवुड से जिस चेहरे से मुलाकात की, वह थीं जैकलिन फर्नांडीज। एक ग्लोबल पॉप आइकॉन और एक इंडियन सुपरस्टार का यह साथ आना सोशल मीडिया पर मिनटों में ट्रेंड बनने लगा। जैकलिन फर्नांडीज ने जब टायला के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, तो यह मुलाकात और भी ज्यादा चर्चा में आ गई। दोनों के बीच की दोस्ती और स्टाइलिश अंदाज तस्वीरों में साफ झलक रहा था, और यह पोस्ट देखते ही फैंस एक्साइटेड हो गए। सबसे ज्यादा सुर्खियाँ बटोरने वाला हिस्सा था जैकलिन का कैप्शन, "अ लिटरल गॉडेस"। बस फिर क्या था३ फैंस दीवाने हो गए और कयासों का दौर शुरू हो गया कि क्या दोनों साथ में किसी प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं? टायला की ग्लोबल फैन फॉलोइंग और जैकलिन का इंटरनेशनल ग्लैमर इन दोनों का साथ आते ही सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे कि कहीं यह मुलाकात किसी आने वाले म्यूजिक वीडियो या कोलैबोरेशन की ओर इशारा तो नहीं? हालांकि अभी किसी की तरफ से आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन फैन्स की उम्मीदें और एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही हैं। टायला जैसे–जैसे भारत की रंगीन संस्कृति और क्रिएटिव दुनिया को एक्सप्लोर कर रही हैं, जैकलिन फर्नांडीज के साथ उनकी मुलाकात उनकी इस ट्रिप का सबसे बड़ा हाइलाइट बन चुकी है। इंटरनेशनल म्यूजिक कल्चर और बॉलीवुड स्टार पावर का यह ताजा संगम देखते ही बन रहा है, जिसे दोनों इंडस्ट्री के फैंस खुलकर सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये मुलाकात आगे चलकर किसी क्रॉसदृकॉन्टिनेंटल कोलैबोरेशन का रूप लेती है या फिर टायला की इंडिया विजिट का सिर्फ एक यादगार, आइकॉनिक पल बनकर रहती है, यह तो समय बताएगा। लेकिन इतना तो तय है कि यह पल पहले ही हेडलाइन,वर्दी कल्चरल क्रॉसओवर की लिस्ट में शामिल हो चुका है।

> टायला, जो अपनी अनोखी आवाज से इंटरनेशनल चार्ट्स पर छाई हुई हैं, और जैकलिन, जो लगातार ग्लोबली चमक दिखा रही हैं, दोनों को एक साथ देखकर फैंस और मीडिया पोर्टल्स के बीच खूब हलचल मच गई। टायला के इंडिया टूर की शुरुआत ही एक स्पेशल मोमेंट के साथ हुई, क्योंकि उन्होंने सबसे पहले बॉलीवुड से जिस चेहरे से मुलाकात की, वह थीं जैकलिन फर्नांडीज। एक ग्लोबल पॉप आइकॉन और एक इंडियन सुपरस्टार का यह साथ आना सोशल मीडिया पर मिनटों में ट्रेंड बनने लगा।

गायनोलॉजिस्ट के पास एग फ्रीज करवाने पहुंची 33 की रिया चक्रवर्ती, कहा–बॉडी क्लॉक बता रही कि बच्चे कर लेने चाहिए

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक वक्त अपनी लाइफ में बहुत बुरा वक्त झेला है, लेकिन अब वह सब कुछ भूलकर आगे बढ़ रही हैं और अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर फोकस कर रही हैं। हाल ही में अपने पॉडकास्ट में रिया ने पर्सनल लाइफ को लेकर बात की और अपने फ्यूचर को लेकर खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वो एग फ्रीज करवा रही हैं और इसके लिए उन्होंने गायनोलॉजिस्ट से भी कंसल्ट कर लिया है। हाल ही में रिया के पॉडकास्ट में हुमा कुरैशी पहुंची, जहां उन्होंने बातचीत में कहा–मैं 33 साल की हूं और हाल ही में एग फ्रीज करवाने के लिए गायनोलॉजिस्ट के पास गई थी। मैं ये करवाने की सोच रही हूं। ये कितनी अजीब चीज है। आपकी बॉडी क्लॉक बता रही होती है कि आपको बच्चे कर लेने चाहिए लेकिन दिमाग कहता है कि आपके पास पहले से एक बच्चा है– आपका ब्रांड, आपका बिजनेस और उस बच्चे को आपको पालना है। बता दें, इससे पहले रिया चक्रवर्ती ने कहा था कि वो शादी की सही उम्र में विश्वास नहीं करती हैं और उन्हें जिंदगी में देरी से शादी करने में कोई एतराज नहीं है। उन्होंने महिलाओं पर शादी और बच्चे करने को लेकर किए जा रहे प्रेशर को लेकर भी सवाल उठाए थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया चक्रवर्ती काफी समय से किसी प्रोजेक्ट में नजर नहीं आई हैं। वो इन दिनों अपने बिजनेस और पॉडकास्ट पर फोकस कर रही हैं।

90 साल के प्रेम चोपड़ा की तबियत अब कैसी है? जानलेवा बीमारी से जूझ रहे एक्टर

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता प्रेम चोपड़ा इन दिनों अपनी सेहत को लेकर चर्चा में हैं। 8 नवंबर को उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने का कारण उनकी छाती में जकड़न और संक्रमण था। 7 दिनों के इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। 90 साल की उम्र में भी एक्टिंग कर रहे प्रेम चोपड़ा की यह हालत उनके फैंस के लिए चिंता का कारण बनी थी। डॉक्टर्स ने बताया कि प्रेम चोपड़ा को गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस की समस्या थी। यह एक ऐसी हार्ट कंडीशन है जिसमें हार्ट का एओर्टिक वाल्व पतला हो जाता है और ब्लड का फ्लो शरीर में बाधित हो जाता है। इसके लक्षणों में सांस फूलना, सीने में दर्द, कमजोरी और कभी–कभी बेहोशी शामिल हैं। इस गंभीर बीमारी के कारण उन्हें तुरंत इलाज की आवश्यकता थी। प्रेम चोपड़ा का इलाज टीएवीआई प्रक्रिया से किया गया। यह एक आधुनिक चिकित्सा तकनीक है जिसमें बिना ओपन हार्ट सर्जरी के हार्ट का एओर्टिक वाल्व बदल दिया जाता है। शरमन जोशी ने बताया कि यह प्रोसिजर सफलतापूर्वक हुआ और उनके ससुर अब पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस प्रक्रिया के दौरान हार्ट में किसी बड़े ऑपरेशन की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए 90 साल के वरिष्ठ अभिनेता के लिए यह सुरक्षित और प्रभावी तरीका माना गया। प्रेम चोपड़ा के दामाद और अभिनेता शरमन जोशी ने इंस्टाग्राम पर लंबा पोस्ट साझा कर जानकारी दी। शरमन ने लिखा कि परिवार की ओर से हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. नितिन गोखले और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव का तहे दिल से आभार। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की मेहनत और सही इलाज के कारण प्रेम चोपड़ा अब बेहतर महसूस कर रहे हैं और घर लौट चुके हैं। प्रेम चोपड़ा का बॉलीवुड करियर लगभग छह दशकों पुराना है। उन्होंने 1962 में फिल्म 'विद्या' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। अब तक उन्होंने 380 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। दिग्गज अभिनेता को ज्यादातर फिल्मों में विलेन का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें साल 2024 में टीवी सीरीज 'शोटाइम' और फिल्म 'एनिमल' में देखा गया था। प्रेम चोपड़ा की सेहत के अपडेट से फैंस और बॉलीवुड इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिली है। 90 साल की उम्र में भी उन्होंने अस्पताल से ठीक होकर घर वापसी की है। उनके बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित लौटने की खबर ने उनके फैंस को खुश कर दिया है।

मनीष पॉल ने दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र को समर्पित किया अपना अवार्ड, कहा–मेरी तरफ से ये उनके लिए एक छोटा–सा ट्रिब्यूट है

जाने माने एक्टर और एंकर मनीष पॉल को हाल ही में बॉलीवुड हंगामा इंडिया एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स 2025 में मोस्ट आइकॉनिक सपोर्टिंग एक्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर मनीष दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र को याद करते नजर आए और उन्होंने यह अवॉर्ड दिवंगत एक्टर को समर्पित कर दिया। मनीष पॉल ने लगभग 20 साल पुरानी एक निजी याद शेयर करते हुए कहा, "20 साल पहले, मेरे मामा बहुत डरे हुए थे कि ये मुंबई जा रहा है, किसी को नहीं जानता। लेकिन मां का विश्वास अडिग था। उन्होंने कहा था, "कोई नहीं, घबराना मत,, वहाँ जाकर कोई भी दिक्कत हो तो धर्मेंद्र जी के पास चले जाना। खाने की कोई दिक्कत हो तो धर्मेंद्र जी के यहाँ चले जाना।"मनीष ने बताया कि किस तरह धर्मेंद्र ने उन्हें मुस्कुराकर आशीर्वाद दिया था कि "जहाँ का पानी पीता है, वहां तू राज करेगा" और इस तरह उनका वह आशीर्वाद मनीष के लिए उम्मीद बन गई। एक्टर ने कहा, "यह अवॉर्ड उनके लिए मेरी तरफ से एक छोटा–सा ट्रिब्यूट है। मैं उन्हें हर दिन याद करता हूँ और करता रहूंगा, लेकिन मुस्कुराकर। मुझे यकीन है फिल्म इंडस्ट्री भी हमेशा धर्मेंद्र जी की विरासत का जश्न मनाती रहेगी। बता दें, दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का 24 नवंबर को निधन हो गया था। उनके निधन के बाद पूरे बॉलीवुड में शोक और स्मृतियों की लहर दौड़ पड़ी थी। "ही–मैन" के नाम से फेमस धर्मेंद्र छह दशकों में 300 से अधिक फिल्मों की विरासत छोड़कर गए हैं।

उम्र के फासले पर उठी थीं उंगलियां, धुरंधर फेम सारा अर्जुन ने डनामी बींइतं के लिए लिखी दिल छू लेने वाली बात

एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने फिल्म श्धुरंधरश में अपनी दमदार एक्टिंग से सभी का दिल जीत लिया है। फिल्म इंडस्ट्री से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह सारा की अदाकारी की जमकर तारीफ हो रही है। हालांकि, शुरुआत में उनकी कास्टिंग विवादों में थी, क्योंकि उनके और लीड एक्टर रणवीर सिंह की उम्र में करीब 20 साल का बड़ा फासला था। इस बड़े एज गैप की वजह से, ऑन–स्क्रीन रोमांस को लेकर लोगों ने सवाल उठाए थे। लेकिन, फिल्म की रिलीज के बाद, सारा ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी आलोचनाओं को चुप करा दिया है और वह सिर्फ तारीफें बटोर रही हैं। इस चर्चा के बीच, सारा ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के लिए एक भावुक धन्यवाद नोट लिखा है। उन्होंने मुकेश को इस रोल के लिए उन्हें चुनने और दुनिया के नोटिस करने से पहले ही उन पर विश्वास जताने के लिए दिल से शुक्रिया कहा।

सारा का भावुक पोस्ट

मंगलवार को, सारा ने इंस्टाग्राम पर धुरंधर के एक इवेंट की मुकेश के साथ अपनी तस्वीर शेयर की। उन्होंने नोट की शुरुआत में, मुकेश को वह इंसान बताया, जिसने उनकी जिंदगी का रुख बदल दिया। सारा ने लिखा, 'मेरे प्यारे मुकेश सर, कभी–कभी जिंदगी धीरे से आपके रास्ते में एक और मार्गदर्शक शख्स को ले आती है। मेरे लिए, वह शख्स आप हैं। दुनिया के नोटिस करने से पहले आपने मुझ पर विश्वास किया, और उस खामोश विश्वास ने सब कुछ बदल दिया। आपकी सहज बुद्धि, आपकी सोच और आपका दिल उस जादू को आकार देता है। आप वह देखते हैं जो अक्सर दूसरे लोग नहीं देख पाते। आप सिर्फ मौके नहीं देते। आप लोगों को बनने की जगह देते हैं। सारा ने यह भी बताया कि उनका जुनून उन्हें गहराई से प्रेरित करता है। उन्होंने मुकेश को धुरंधर में यालिना का रोल देने और मुश्किल पलों में सहारा देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैकडॉनल्ड्स के विज्ञापन से लेकर धुरंधर तक, यह सफर किसी आशीर्वाद से कम नहीं लगता। मैं हमेशा उस विश्वास का सम्मान करूंगी जो आपने मुझ पर किया।

मुकेश छाबड़ा का रिएक्शन

सारा के इस दिल छू लेने वाले नोट पर मुकेश छाबड़ा ने भी कमेंट किया, श्मुझे तो समझ ही नहीं आ रहा कि क्या कहूं। मैंने अभी–अभी आपकी पूरी पोस्ट पढ़ी है। मुझे अब भी आपका मेरे साथ पहला ऐड याद है, मैकडॉनल्ड्स का ऐड। और अब, आप यहाँ हैं, अपनी पहली पूरी फिल्म के साथ।

सर्दियों में उंगलियों में सूजन के कारण

सर्दियों में हाथ–पैरों की उंगलियां सूजने और लाल होने की समस्या को आमतौर पर चिलब्लेंस कहा जाता है। यह समस्या ठंड के मौसम में अत्यधिक ठंड और फिर अचानक गर्मी के संपर्क में आने के कारण होती है। इससे उंगलियां सूज सकती हैं, लाल हो सकती हैं, और उनमें खुजली या जलन महसूस हो सकती है। चलिए जानते हैं इसका कारण और इलाज।

कारण

ब्लड सर्कुलेशन का प्रभावः ठंड के कारण रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है, जिससे हाथ–पैरों की उंगलियों में सूजन हो सकती है।

तापमान में अचानक बदलावः ठंडे वातावरण से अचानक गर्म स्थान पर आने से त्वचा और नसों पर दबाव पड़ता है।

सर्दियों में नमी की कमीः ठंड के कारण त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है।

विटामिन की कमीः विटामिन डी, सी, और ई की कमी से त्वचा की स्थिति बिगड़ सकती है।

घरेलू उपचार

हल्दी और सरसों का तेल– एक चम्मच हल्दी को गर्म सरसों के तेल में मिलाकर उंगलियों पर लगाएं। यह सूजन और लालिमा कम करने में मदद करता है।

गर्म पानी में सेंधा नमक– एक टब में गुनगुने पानी में सेंधा नमक डालें। इसमें 10–15 मिनट के लिए हाथ–पैर डुबोएं। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

नारियल का तेल और कपूर– नारियल के तेल में थोड़ा सा कपूर मिलाकर प्रभावित हिस्से पर मालिश करें। यह सूजन और खुजली को कम करने में कारगर है।

एलोवेरा जेल– ताजा एलोवेरा जेल लगाएं। यह ठंडक पहुंचाता है और त्वचा को मुलायम बनाता है।

लहसुन का उपयोग– लहसुन के तेल से प्रभावित हिस्से की मालिश करें। यह सूजन को कम करता है और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है।

बचाव के उपाय

–हाथों और पैरों को ठंड से बचाने के लिए दस्ताने और मोजे पहनें।

– त्वचा को ड्राई होने से बचाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाला मॉइस्चराइजर लगाएं।

– ठंडे से गर्म जगह पर आने पर शरीर को अचानक गर्म न करें।

–विटामिन सी, ई, और प्रोटीन युक्त आहार लें।

– धूम्रपान से रक्त संचार प्रभावित हो सकता है।

डॉक्टर से कब संपर्क करें?

इन घरेलू उपायों और बचाव के तरीकों को अपनाकर आप सर्दियों में हाथ–पैरों की उंगलियों की समस्या से राहत पा सकते हैं। अगर सूजन ज्यादा है और दर्द असहनीय हो रहा है। उंगलियों में नीला या बैंगनी रंग दिखाई दे या फिर घाव या संक्रमण के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

प्याज काटते समय नहीं बहेंगे आंसू अपनाएं ये टिप्स

रसोई में छोटे–मोटे काम कभी–कभी बहुत बड़ी परेशानी बन जाते हैं। चाहे वो प्याज काटते वक्त आंखों से आंसू आना हो, धनिया का जल्दी खराब होना, या खाना पकाने में नमक ज्यादा पड़ जानाकृये सभी समस्याएं आम हैं। लेकिन इन स्मार्ट

किचन टिप्स की मदद से आप न केवल इन समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, बल्कि अपना काम भी जल्दी और आसान बना सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन हैक्स!

प्याज काटते वक्त आंसू नहीं निकलेंगे

प्याज काटने पर आंखों से आंसू आना आम समस्या है। इसका कारण प्याज में मौजूद सल्फर है, जो सेल्स टूटने पर रिलीज होता है। इसे रोकने के लिए ये टिप्स अपनाएं

चाकू गर्म करें

प्याज काटने से पहले चाकू को तेज आंच पर हल्का गर्म कर लें। इससे चाकू प्याज की परतों को तेजी और सफाई से काटता है, जिससे प्याज में मौजूद सल्फर तेजी से बाहर नहीं निकलता और आपकी आंखों में जलन नहीं होती। यह तरीका न केवल आंसुओं को रोकता है बल्कि प्याज काटने के काम को भी आसान और कम समय में पूरा कर देता है। यह खासतौर पर तब उपयोगी है जब आपको बड़े मात्रा में प्याज काटने हों।

प्याज को ठंडा करें

अगर प्याज काटते समय आंखों में जलन हो रही हो तो प्याज को छीलकर 20–25 मिनट के लिए डीप फ्रीजर में रख दें। ठंडा तापमान प्याज के अंदर सल्फर की क्रियाशीलता को कम कर देता है, जिससे आंखों में जलन नहीं होती। यह तरीका उन लोगों के लिए सबसे बढ़िया है जिनकी आंखें प्याज काटते ही तुरंत जलने लगती हैं। ठंडा प्याज काटने से स्लाइसिंग भी आसान हो जाती है, जिससे खाना पकाने का काम जल्दी और आराम से पूरा हो जाता है।

पॉपकॉर्न जल्दी और फ्लफी बनाएं

कई बार पॉपकॉर्न पूरी तरह नहीं फूटते या नरम रह जाते हैं। इसे सही से पकाने के लिए ये ट्रिक आजमाएंरू

नमक वाले पानी में भिगोएं

अगर पॉपकॉर्न के दाने पूरी तरह से नहीं फूटते हैं या सख्त रह जाते हैं, तो मक्के के दानों को 10–15 मिनट के लिए नमक वाले पानी में भिगोकर रखें। नमक का पानी दानों को अंदर से नमी देता है, जिससे वे पकने पर जल्दी फूटते हैं और अच्छे से फूल जाते हैं। भिगोने के बाद दानों को पैन में मक्खन और मसाले डालकर धीमी आंच पर ढककर पकाएं। यह तरीका पॉपकॉर्न को न केवल फ्लफी बनाता है बल्कि इसमें मसालों का स्वाद भी गहराई से समा जाता है। इस प्रक्रिया से पॉपकॉर्न का हर दाना फूटेगा और आपको बेहतरीन, स्वादिष्ट और क्रिस्पी पॉपकॉर्न मिलेगा।

स्नैक्स को कुरकुरा बनाने का तरीका

पकोड़े, टिक्की या चिकन विंग्स जैसे स्नैक्स तभी मजेदार लगते हैं जब वे क्रिस्पी हों। ब्रेडक्रंब्स खत्म हो जाएं, तो सूजी का इस्तेमाल करेंरू

बैटर में सूजी मिलाएं

अगर आप चाहते हैं कि आपके स्नैक्स जैसे पकोड़े, फ्रिटर्स या टिक्की ज्यादा कुरकुरे बनें, तो बैटर में थोड़ा सूजी मिलाएं। सूजी बैटर को गाढ़ा और क्रिस्पी बनाती है, जिससे तलने के बाद स्नैक्स का स्वाद और टेक्सचर दोनों बेहतर हो जाते हैं। यह ट्रिक खासतौर पर तब काम आती है जब आपको हल्के और कुरकुरे फ्रिटर्स चाहिए होते हैं। सूजी डालने से तेल भी ज्यादा नहीं लगता और स्नैक्स सुनहरे रंग के हो जाते हैं।

सूजी में रोल करें

अगर आप कटलेट, टिक्की या नुगेट्स जैसे स्नैक्स बना रहे हैं, तो तलने से पहले उन्हें सूजी में अच्छे से रोल करें। सूजी की परत तलने के दौरान एक सुनहरा और कुरकुरा क्रस्ट बनाती है, जो न केवल देखने में अच्छा लगता है बल्कि खाने में भी शानदार स्वाद देता है। यह ट्रिक ब्रेडक्रंब्स का बढ़िया विकल्प है, खासतौर पर जब ब्रेडक्रंब्स घर में उपलब्ध न हों।

खाने में ज्यादा नमक होने पर क्या करें?

आलू डालें

अगर करी या सब्जी में नमक ज्यादा हो जाए, तो एक कच्चा आलू छीलकर करी में डालें और इसे 10–15 मिनट तक पकने दें। आलू अतिरिक्त नमक को सोख लेता है और इसका स्वाद बैलेंस कर देता है। पकने के बाद आलू को निकाल दें, ताकि वह स्वाद को ज्यादा न बदल दे। यह ट्रिक लगभग हर तरह की ग्रेवी, सूप या सब्जी में काम करती है।

आटे की बॉल्स डालें

आटे की छोटी गोलियां बनाकर ग्रेवी या सब्जी में डालें। ये बॉल्स नमक को सोख लेती हैं और पकने के बाद इन्हें आसानी से निकाल सकते हैं। यह तरीका नमक ज्यादा होने की समस्या का तुरंत समाधान करता है।

गर्म करछी का इस्तेमाल करें

अगर करी या ग्रेवी ठंडी है और उसमें नमक ज्यादा हो गया है, तो एक करछी को तेज आंच पर गर्म करें और फिर इसे ग्रेवी में डुबोएं। करछी पर नमक चिपक जाएगा, जिससे ग्रेवी का नमक कम हो जाएगा। यह एक अनोखा और आसान तरीका है जिसे तुरंत आजमाया जा सकता है।

धनिया और पुदीना को लंबे समय तक फ्रेश रखें

पन्नी में पैक करें

धनिया को पहले अच्छे से धोकर और सुखाकर टिश्यू पेपर में लपेटें। फिर इसे एक सूखी पन्नी में टाइट पैक करें। ध्यान दें कि पन्नी में नमी न हो, क्योंकि इससे धनिया जल्दी खराब हो सकता है। इस तरीके से धनिया 10–15 दिनों तक ताजा और हरा बना रहता है।

अंडे के छिलके का उपयोग करें

धनिया को एक एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें और उसमें ऊपर से अंडे के छिलके डाल दें। छिलके नमी को सोख लेते हैं, जिससे धनिया लंबे समय तक खराब नहीं होता। यह तरीका पुदीना और दूसरी हर्ब्स के लिए भी बहुत कारगर है।

तेल को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए साफ करें

कच्चे चावल डालें

जब आप पूड़ी या पकौड़े तलने के बाद बचे हुए तेल को दोबारा इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो उसमें मौजूद जले हुए टुकड़ों को साफ करने के लिए तेल को हल्का गर्म करें और उसमें मुट्ठी भर कच्चे चावल डालें। चावल जले हुए कणों और रेजिड्यू को सोख लेते हैं। जब चावल भूरा हो जाए, तो तेल को छान लें और इसे आगे इस्तेमाल करें।

आलू का टुकड़ा डालें

गर्म तेल में कच्चे आलू का एक बड़ा टुकड़ा डालें। यह तेल में मौजूद जले हुए अवशेषों और गंध को सोख लेता है। जब आलू सुनहरा भूरा हो जाए, तो उसे हटा दें और तेल को छान लें। इससे तेल को बार–बार इस्तेमाल करने पर भी उसका स्वाद और गुणवत्ता बरकरार रहती है। इन छोटे–छोटे टिप्स की मदद से आप अपनी रसोई के काम को आसान बना सकते हैं। अगर आपके पास भी कोई अनोखा किचन हैक है, तो उसे जरूर साझा करें!

सर्दियों में रात में चेहरे पर क्यों लगाएं?

सर्दियों में हमारी स्किन को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। वहीं जब स्किन का सही से ध्यान नहीं रखा जाता है, तो इसका निखार खोने लगता है। ऐसे में आप कुछ टिप्स अपनाकर घर पर पार्लर जैसा निखार पा सकती हैं।

सर्दियों में हमारी स्किन को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। वहीं जब स्किन का सही से ध्यान नहीं रखा जाता है, तो इसका निखार खोने लगता है और चेहरा डल पड़ने लगता है। हम सभी सर्दियों में फेस को मॉइश्चराइज करने के लिए कोल्ड क्रीम का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इससे चेहरे का रूखापन भले ही थोड़ी देर के लिए चला जाता है, लेकिन साथ ही चेहरे का निखार भी जाने लगता है। अगर सर्दियों में आपके चेहरे का नूर भी खो जाता है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप घर पर ही पार्लर जैसा निखार पा सकते हैं।

शहद

फेस पर शहद लगाने से आपका खोया हुआ निखार वापस आ सकता है। वहीं सर्दी के मौसम में चेहरे को मॉइश्चराइज करने का यह एक अच्छा घरेलू तरीका भी माना जाता है। शहद की मदद से आप अपने चेहरे की खोई हुई रंगत को भी वापस पा सकती हैं। साथ ही चेहरे पर होने वाले दाग–धब्बों और झुर्रियों को भी यह गायब करने का एक अच्छा ऑप्शन है।

बेसन

बता दें कि त्वचा के लिए बेसन एक अच्छा घरेलू तरीका माना

जाता है।

इससे आप घर पर ही पार्लर जैसा निखार पा सकते हैं। चेहरे पर बेसन और हल्दी में कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसको फेस पर अप्लाई करें और 15 मिनट तक सूखने दें। अब पानी से फेसवॉश कर लें। इससे फेसपैक से आप अपनी त्वचा में खुद बदलाव देख सकेंगी। एक्सपर्ट की मानें, तो बेसन और हल्दी का पेस्ट स्किन के लिए काफी अच्छा होता है।

नींबू

फेस के रूखेपन को दूर करने और खोए हुए निखार को वापस पाने के लिए आप नींबू का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है और यह स्किन के लिए भी काफी गुणकारी माना जाता है। आप अपने चेहरे पर नींबू की सहायता से निखार पा सकते हैं।

पपीता

स्किन का निखान बढ़ाने के लिए आप चेहरे पर पपीते का पेस्ट भी लगा सकती हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें, तो फेस पर पपीते का पेस्ट लगाना काफी अच्छा होता है। पपीते का पेस्ट चेहरे पर अप्लाई करने से रंगत में भी सुधार होता है।

एलोवेरा जेल

स्किन के अलावा बालों के लिए भी यह काफी अच्छा माना जाता है। अगर आप सर्दियों में अपने चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाते हैं, तो आप अपना खोया निखार वापस पा सकते हैं। इसके लिए आपको सप्ताह में दो बार अपने फेस पर एलोवेरा जेल अप्लाई करना चाहिए।

हेल्दी स्किन के लिए फॉलो करें ये ब्यूटी टिप्स

आज हम आपको एक ऐसा डी टैन पैक बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं, जो डेड स्किन को रिमूव करेगा, स्किन को पोषण देगा, टैनिंग और जमी हुई गंदगी को साफ कर त्वचा को निखार देने में मदद करेगा।

बढ़ती धूल–मिट्टी और प्रदूषण के कारण हमारी त्वचा रूखी, बेजान और डल नजर आने लगती है। ऐसे में स्किन केयर के लिए हम भर–भर के क्रीम और लोशन आदि लगाते हैं, लेकिन इसके बाद भी स्किन का रंग और गंदगी साफ नहीं होती है। जिसकी वजह त्वचा को सही पोषण न मिलना और सफाई न होना शामिल है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसा डी टैन पैक बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं, जो डेड स्किन को रिमूव करेगा, स्किन को पोषण देगा, टैनिंग और जमी हुई गंदगी को साफ कर त्वचा को निखार देने में मदद करेगा। इस डी टैन पैक को सिर्फ 20 मिनट अप्लाई करना है और आपको इसका असर पहले दिन से दिख जाएगा।

स्किन टैन क्यों होती है

अक्सर हमारी त्वचा का खुला हुआ हिस्सा ज्यादा काला होता है। वहीं जो स्किन कपड़े से ढकी होती है, वह काली नहीं होती है। सूरज की हानिकारक किरणों के एक्सपोजर में आने से मेलेनिन बढ़ता है और स्किन नमी और पोषण की कमी का शिकार होती है।

इसलिए जरूरी है कि आप समय–समय पर त्वचा को नरिश कर दें। स्किन में पोषण की कमी को पूरा करें और सन एक्सपोजर से बचें। इसके अलावा बेहतर रिजल्ट पाने के लिए आप हमारे बताए गए नुस्खे को अपना सकते हैं। साथ ही अपनी डल स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं।

डी–टैन पैक सामग्री

चावल का आटा– 3 चम्मच

बेसन– 2 चम्मच

कॉफी– 2 चम्मच

हल्दी– 1ध्2 चम्मच

चंदन– 1 चम्मच

दही– 4–5 चम्मच

गुलाब जल– जरूरत अनुसारध

ऐसे बनाएं पैक

सबसे पहले एक बाउल में चावल का आटा, कॉफी, बेसन, हल्दी, चंदन और दही डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर इन चीजों में गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना।

इस तरह से टैनिंग रिमूव करने वाला डी टैन पैक बनकर तैयार करे।

अब आप इसको फेस, गर्दन, कंधों और हाथों पर अप्लाई करें।

करीब 20 मिनट तक इस पैक को लगा रहने दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

इसको लगाने से आपका पूरा फेस और शरीर खिल उठेगा।

टैन रिमूव करने में कॉफी फायदेमंद

स्किन पर कॉफी का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है।

कॉफी में एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं, जो डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है। फिर नई कोशिकाओं का निर्माण करता है।

इसके साथ ही कॉफी में मौजूद एंटी–इंफ्लामेटरी गुण सन टैन को कम करता है। कॉफी के छोटे–छोटे पार्टिकल हमारी स्किन के लिए स्क्रब की तरह काम करता है और इससे स्किन पोर्स की सफाई होती है और त्वचा साफ होती है।

त्वचा में निखार लाता है चंदन

बता दें कि चंदन स्किन में निखार लाने और एक्स्ट्रा ऑयल को साफ करने और नमी बनाए रखने में फायदेमंद होता है। चंदन पाउडर कोई ऐसा पाउडर नहीं है, जिसका इस्तेमाल आजकल में शुरू हुआ है, बल्कि इसका इस्तेमाल सालों से किया जा रहा है। चंदन हमारी स्किन को साफ और ग्लोइंग बनाता है। अगर आप हल्दी–चंदन का पेस्ट फेस पर लगाते हैं, तो यह निखार लाने में फायदेमंद साबित हो सकता है।

संक्षिप्त

रुपया शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर 90.07 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.07 पर आ गया। आयातकों की ओर से डॉलर की मांग, शुल्क संबंधी चिंताओं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले को लेकर बाजार की आशंकाओं के दबाव के कारण रुपया कमजोर हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि सभी की निगाहें अमेरिका–भारत व्यापार वार्ता पर टिकी होंगी जिससे आने वाले दिनों में रुपये को कुछ मजबूती मिल सकती है। भारत और अमेरिका 10 दिसंबर से यहां प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर तीन दिवसीय वार्ता शुरू करेंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.00 पर खुला। फिर कमजोर होकर 90.07 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.87 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.23 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 134.71 अंक चढ़कर 84,800.99 अंक पर जबकि निफ्टी 41.50 अंक की बढ़त के साथ 25,881.15 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.06 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,760.08 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सेंसेक्स, निफ्टी में लगातार दो सत्र से जारी भारी गिरावट के बाद तेजी

सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दो सत्र से जारी भारी गिरावट के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। निचले स्तरों पर खरीदारी से बाजार में तेजी आई। 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 259.31 अंक या 0.31 प्रतिशत चढ़कर 84,925.59 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयर वाला एनएसई निफ्टी 64.65 अंक या 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,904.30 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, ट्रेंट, आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे। वहीं इटर्नल, सन फार्मास्यूटिकल्स, टाइटन, भारती एयरटेल और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में चीन का एसएसई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंग सेंग और जापान का निक्की 225 नकारात्मक दायरे में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ मे रहा। अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में मंगलवार को रात भर के कारोबार में व्यापक रूप से गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.03 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,760.08 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,224.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेबी ने कार्वी निवेशकों के लिए दावा दाखिल करने की समय सीमा मार्च 2026 तक बढ़ाई

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दिवालिया घोषित कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) के निवेशकों के लिए दावे दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर मंगलवार को मार्च 2026 कर दी है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर थी। केएसबीएल को 23 नवंबर, 2020 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा दिवालिया घोषित किया गया था। इसके बाद निवेशकों को केएसबीएल के खिलाफ दावे प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था, दावे जमा करने की अंतिम तिथि दो जून, 2025 निर्धारित की गई थी। मई 2025 में सेबी की घोषणा की प्रतिक्रिया के बाद एनएसई के साथ दावा दायर करने की समय सीमा 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई थी। सेबी ने एक बयान में कहा, जागरूकता और समयसीमा बढ़ाए जाने के बाद बड़ी संख्या में निवेशकों द्वारा अपने दावे दाखिल किए गए हैं। इसे देखते हुए, दावे दाखिल करने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाकर 31 मार्च, 2026 करने का निर्णय लिया गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोरिया के उद्योगपतियों से मुलाकात की

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को कोरियाई कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, जिसमें विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य को एक स्थिर, पारदर्शी और भविष्य के लिए तैयार निवेश गंतव्य में बदलने पर प्रकाश डाला गया। अपनी दक्षिण कोरिया यात्रा के समापन दिवस पर मान ने कारोबारी दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब का मजबूत औद्योगिक वातावरण, विश्वसनीय और लागत–प्रतिस्पर्धी शक्ति, शांतिपूर्ण श्रम संबंध, एक प्रतिभाशाली, काबिल और मेहनती कार्यबल, साथ ही प्रमुख बाजारों से निर्बाध पहुंच इसे सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य बनाती है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पंजाब का शासन मॉडल निवेशक को केंद्र में रखता है, जिससे व्यापार जीवनचक्र में पूर्वानुमान, दक्षता और पूर्ण समर्थन सुनिश्चित होता है। मान 13–15 मार्च 2026 को मोहाली में होने वाले छठे प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन की तैयारियों के तहत जापान और दक्षिण कोरिया की 10–दिवसीय यात्रा पर गए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

किंग कोहली की धाक, वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर दो पर पहुंचे, हिटमैन शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने वनडे क्रिकेट में एक बार फिर अपना दबदबा दिखाया है। आईसीसी वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों में भारत की बादशाहत कायम है। कोहली आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में बल्लेबाजों में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। कोहली पिछले कुछ समय से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के बाद उनकी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

कोहली का शानदार फॉर्म और रैंकिंग में इजाफा

2021 में पाकिस्तान के बाबर आजम द्वारा नंबर एक स्थान छिनने के बाद कोहली अब पहले पायदान से सिर्फ आठ रेटिंग पॉइंट दूर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने तीन मैचों में 302 रन जमाए। इनमें दो शतक शामिल हैं। सीरीज के आखिरी वनडे में 65′ की नाबाद पारी खेलते हुए कोहली ने भारत को जीत दिलाई। इसी प्रदर्शन का असर रैंकिंग में दिखा और वह दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे पायदान पर पहुंच गए।

रोहित शर्मा का दबदबा बरकरार

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 2024 और 2025 के दौरान वनडे में निरंतर प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस सीरीज में 146 रन बनाए और अपनी शीर्ष रैंकिंग कायम रखी। कोहली और रोहित ने आईसीसी वनडे बैटिंग चार्ट में भारतीय वर्चस्व को और मजबूत किया है।

दूसरे भारतीय बल्लेबाजों की रैंकिंग

शुभमन गिल ने भले ही उन्होंने वनडे सीरीज नहीं खेली, लेकिन वह अपने पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं कप्तानी संभाल रहे केएल राहुल दो स्थान चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह भारत के बल्लेबाजों की गहराई को दर्शाता है। वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में भी भारत का दबदबा जारी है। कुलदीप यादव तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अक्षर पटेल (13वें), अर्शदीप सिंह (20वें) और जसप्रीत बुमराह (25वें) स्थान पर पहुंचकर फायदे में रहे।

टेस्ट रैंकिंग में भारतीयों का प्रदर्शन

टेस्ट बल्लेबाजों में यशस्वी जायसवाल नंबर आठ पर टिके हुए हैं, जबकि शुभमन गिल और ऋषभ पंत एक–एक स्थान ऊपर बढ़कर क्रमशः 11वें और 13वें पायदान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह पहले स्थान पर बने रहते हुए शानदार फॉर्म में हैं। उनके बाद मोहम्मद सिराज, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव भी एक–एक स्थान ऊपर आए हैं।

अन्य देशों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्विंटन डिकॉक, एडेन मार्करम और तेम्बा बावुमा की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एशेज में दो मैचों में 18 विकेट लेकर टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। इंग्लैंड की खराब बल्लेबाजी के चलते हैरी ब्रूक चौथे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि केन विलियम्सन और स्टीव स्मिथ ने एक–एक स्थान का लाभ कमाया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

पीसीबी ने हैदर पर लगा प्रतिबंध हटाया

कराची। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) का एक प्रतिनिधिमंडल उनकी टीम के जनवरी में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करने से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए लाहौर में है।प्रतिनिधिमंडल में एक स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकार और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का एक अधिकारी शामिल है। वहीं, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बल्लेबाज हैदर अली पर लगा अस्थायी निलंबन हटा लिया है, जिन्होंने सितंबर में मैनचेस्टर में बलात्कार के आरोपों से बरी होने के बाद से किसी भी तरह का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले साल दौरा करेगी

ऑस्ट्रेलिया अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान का दौरा करेगा और दो चरणों में सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगा। पहले चरण में जनवरी में तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक इस सीरीज के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, लेकिन लगता है कि तीनों मैच लाहौर में ही खेले जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम में लाहौर के गद्दाफी

स्टेडियम और उस होटल का दौरा शामिल है जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम ठहरेगी। वे पीसीबी अधिकारियों तथा सरकारी और सुरक्षा प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। ऑस्ट्रेलिया अगले साल मार्च में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए फिर से पाकिस्तान का दौरा करेगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि वनडे सीरीज को फिलहाल स्थगित किया जा सकता है और इसका आयोजन 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले किसी समय हो सकता है।

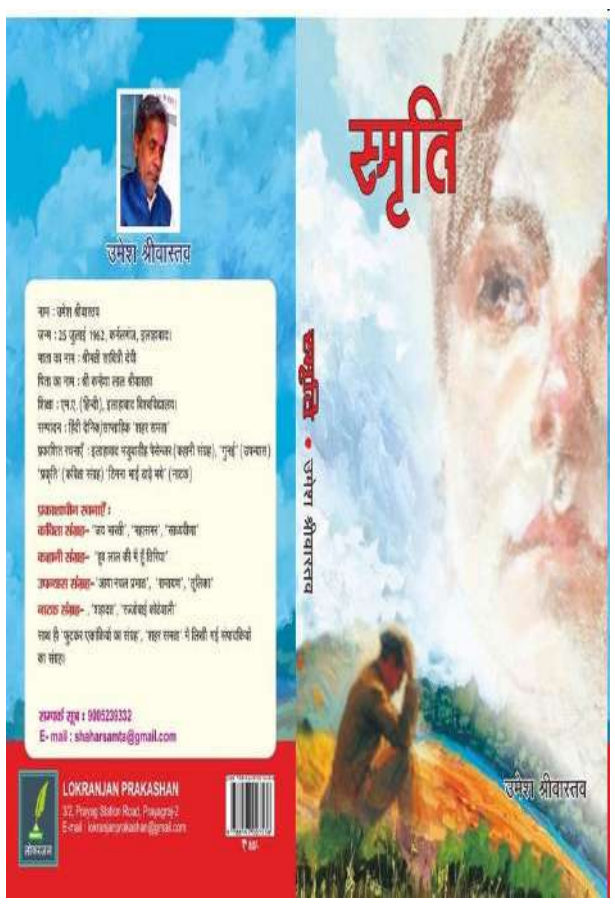

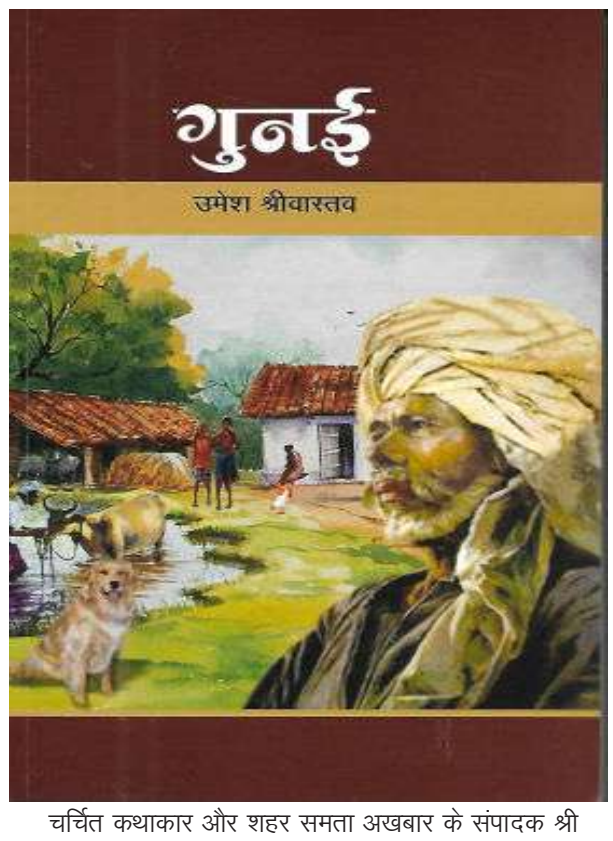

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

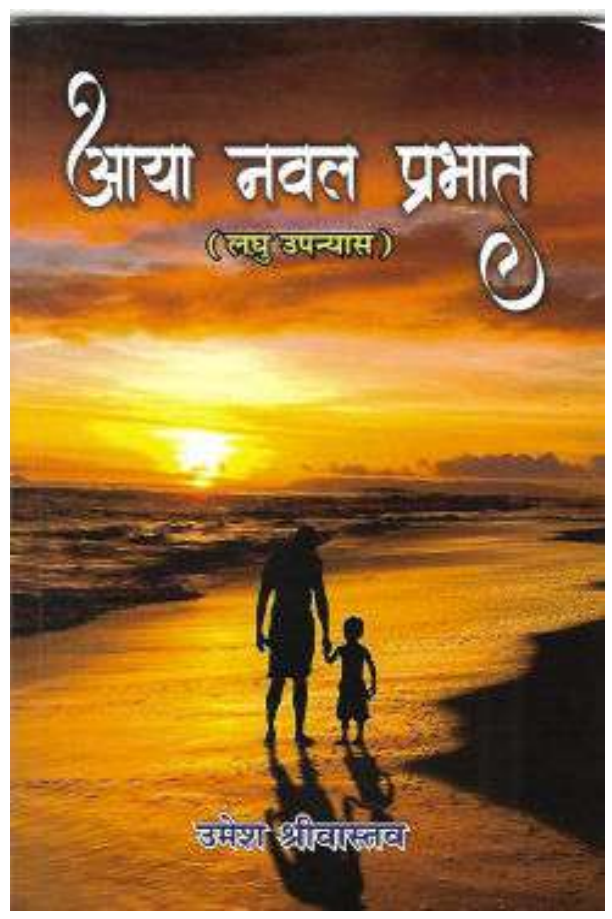

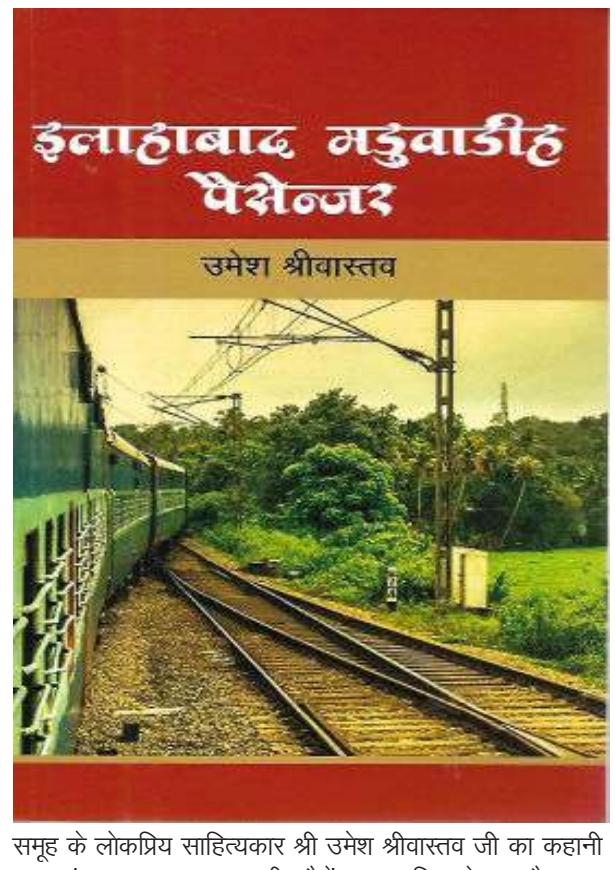

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

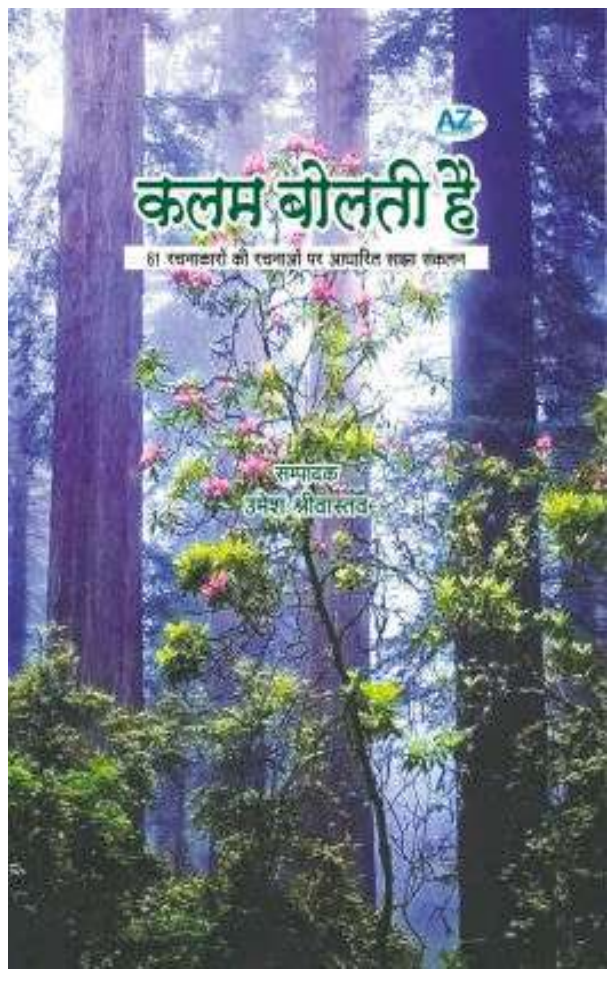

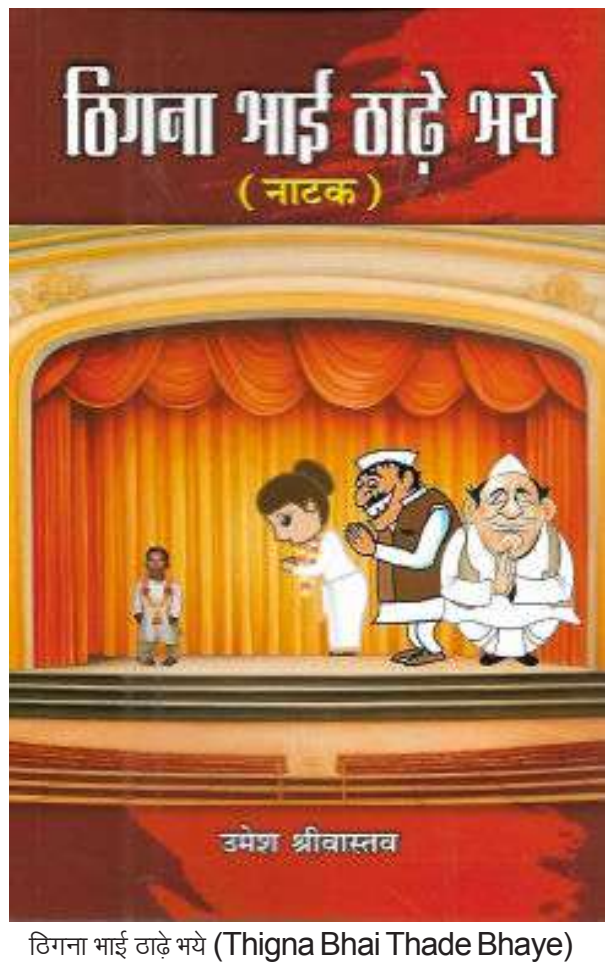

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान और भारत आपस में लड़ रहे थे, मैंने युद्ध खत्म करवाया : डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दावे को फिर से दोहराते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान में ''जंग छिड़ी हुई थी'' और उन्होंने ही परमाणु हथियारों से लैस दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष को समाप्त कराया। ट्रंप अब तक लगभग 70 बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को रुकवाया था। ट्रंप ने मंगलवार को पेंसिल्वेनिया के माउंट पोकोनो में अर्थव्यवस्था पर एक रैली में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, ''दस महीनों में मैंने आठ युद्ध समाप्त करवाए जिनमें कोसोवो (और) सर्बिया, पाकिस्तान और भारत, इजराइल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया... आर्मेनिया और अजरबैजान शामिल हैं, वे आपस में लड़ रहे थे।'' भारत ने छह और सात मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसके तहत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया था। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद संघर्ष समाप्त करने के लिए 10 मई को सहमति बनी। भारत ने संघर्ष के समाधान में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। इसी बीच, ट्रंप ने कहा कि कंबोडिया और थाईलैंड में फिर से लड़ाई शुरू हो गई है और ''कल'' वह उन देशों को फोन करेंगे। ट्रंप ने कहा, ''ऐसा कौन कह सकता है कि मैं एक फोन कॉल करके थाईलैंड और कंबोडिया जैसे दो बेहद शक्तिशाली देशों के बीच जारी युद्ध को रोक दूंगा? वे आपस में लड़ रहे हैं। लेकिन मैं यह करूंगा। इसलिए हम ताकत के बल पर शांति स्थापित कर रहे हैं। हम यही कर रहे हैं।'' आव्रजन के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा कि 50 वर्षों में पहली बार अमेरिकी नागरिकों के लिए अधिक नौकरियां, बेहतर वेतन और उच्च आय सुनिश्चित हो पा रही है, न कि अवैध प्रवासियों के लिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने अफगानिस्तान, हैती, सोमालिया और कई अन्य देशों जैसे ''नरक जैसे स्थानों'' से आने वाले प्रवासन पर स्थायी रोक लगाने की घोषणा की है। पिछले महीने ट्रंप ने कहा था कि वह ''तीसरी दुनिया (विकासशील/अविकसित देश) के सभी देशों'' से प्रवासन को 'स्थायी रूप से रोक देंगे' और उन विदेशी नागरिकों को निर्वासित कर देंगे जो 'सुरक्षा के लिए जोखिम' हैं क्योंकि उनके प्रशासन ने अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के एक सदस्य की हत्या के बाद आव्रजन पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें 19 उच्च जोखिम वाले देशों के नागरिकों की जांच करते समय ''नकारात्मक, देश-विशिष्ट कारकों'' पर विचार करने की अनुमति दी गई है। इन देशों में अफगानिस्तान, बर्मा, बुरुंडी, चाड, कांगो गणराज्य, क्यूबा, घ्ह्इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लाओस, लीबिया, सिएरा लियोन, सोमालिया, सूडान, टोगो, तुर्कमेनिस्तान, वेनेजुएला और यमन शामिल हैं।

संक्षिप्त

राजधानी जकार्ता में कार्यालय भवन में आग लगने से कम से कम 22 लोगों की मौत

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में मंगलवार को एक कार्यालय भवन में आग लगने की घटना में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। मध्य जकार्ता स्थित कार्यालय की सात मंजिला इमारत को आग की लपटों ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे आसमान में धुएं का गुबार फैल गया और आस-पास रहने वाले लोगों तथा कर्मचारियों में दहशत फैल गई। मध्य जकार्ता के पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुर्नोमो कोंड्रो ने

बताया कि आग दोपहर के समय लगी और माना जा रहा है कि यह केमायोरन इलाके में स्थित इमारत की पहली मंजिल से शुरू हुई और बाद में अन्य मंजिलों तक फैल गई। कोंड्रो के मुताबिक, आग पर काबू पाने के लिए सैकड़ों कर्मियों और दमकल की 29 गाड़ियों को तैनात किया गया। आग लगने के कारणों की अब भी जांच की जा रही है। कोंड्रो ने कई प्रत्यक्षदर्शियों का हवाला देते हुए बताया कि इमारत में स्थित कार्यालय के कई कर्मचारी दोपहर के भोजन के लिए बाहर गए हुए थे, तभी भंडारण और परीक्षण क्षेत्र में बैटरी में चिंगारी निकलने लगी। उन्होंने बताया कि इमारत को ड्रोन कंपनी के बिक्री और भंडारण कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। कोंड्रो के अनुसार, तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई गई। उन्होंने बताया कि इमारत से कम से कम 22 शव बरामद किए गए। कोंड्रो ने बताया कि मृतकों में सात पुरुष और 15 महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से एक गर्भवती थी। उन्होंने बताया कि शवों की शिनाख्त के लिए उन्हें पूर्वी जकार्ता के पुलिस अस्पताल ले जाया गया है। घटना में जीवित बचे दिमित्री नामक शख्स नेस्थानीय टेलीविजन चौनल को बताया, "संदेह है कि शॉर्ट सर्किट या ड्रोन की बैटरी में थर्मल खामी के कारण कार्यालय में विस्फोट हुआ और आग लग गई।" उसने कहा, "ऊपरी मंजिलों पर मौजूद कुछ सहकर्मियों ने मदद की गुहार लगाते हुए छत पर जाकर बचने की कोशिश की।

हमास पर अधिक दबाव बनाए बिना गाजा युद्ध-विराम का अगला चरण असंभव होगा:हमास

हमास के एक नेता ने मंगलवार को चेतावनी दी कि जब तक इजराइल पर एक महत्वपूर्ण सीमा मार्ग खोलने, घातक हमलों को रोकने और फलस्तीनी क्षेत्र में अधिक सहायता पहुंचाने के लिए दबाव नहीं डाला जाता, तब तक वह गाजा युद्ध-विराम समझौते के अगले चरण में आगे नहीं बढ़ेगा। यह चेतावनी ऐसे समय दी गई है, जब इजराइल सरकार ने कहा है कि वह युद्ध-विराम समझौते के अगले और अधिक जटिल चरण में प्रवेश करने के लिए तैयार है। हमास की राजनीतिक शाखा के सदस्य हुसम बदरान ने आगे बढ़ने से पहले "पहले चरण की सभी शर्तों के पूर्ण कार्यान्वयन" का आह्वान किया, जिसमें इजराइल द्वारा नियंत्रित क्षेत्र के हिस्से में फलस्तीनी घरों के निरंतर विध्वंस को रोकना भी शामिल है। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 10 अक्टूबर को युद्ध-विराम लागू होने के बाद से गाजा में इजराइल के सैन्य अभियानों के कारण कम से कम 376 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इजराइल ने भी हमास पर युद्ध-विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। गाजा में मानवीय संकट जारी रहने के बीच संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता संगठनों ने कहा है कि इस क्षेत्र में पर्याप्त सहायता नहीं पहुंच रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा था कि हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए अंतिम व्यक्ति के अवशेष लौटाए जाने के बाद इजराइल और हमास के "बहुत जल्द ही युद्ध-विराम के दूसरे चरण में प्रवेश करने की उम्मीद है।'' इस बीच, अधिकारियों ने कहा है कि युद्ध-विराम के अगले चरण में गाजा पट्टी के प्रशासन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय निकाय की घोषणा वर्ष के अंत तक होने की उम्मीद है। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने शनिवार को कहा कि गाजा युद्ध-विराम एक ''महत्वपूर्ण पड़ाव'' पर पहुंच गया है।

असद के तख्तापलट के एक साल, अल-शरा ने दुनिया को दिखाया सऊदी वाला 'गुप्त तोहफा'

एक राष्ट्र के तौर पर सीरिया के लिए काफी खास है। आज पूरा सीरिया लिबरेशन डे मना रहा है। यानी वो दिन जब दमिश्क से बशर अल असद की सत्ता का अंत हुआ और करोड़ों डॉलर के इनामी आतंकी रह चुके अलशरा का सीरिया पर राज हुआ। एक देश के तौर पर सीरिया बहुत बड़े बदलाव से गुजर रहा है। सीरिया इस वक्त जश्न में डूबा है। इस मौके पर लाखों लोग एक साथ जमा हुए हैं। जमकर आतिशबाजी की गई। तो वहीं अलशारा ने वो खास तोहफा दुनिया को दिखाया जो उन्होंने सऊदी अरब के किंग मोहम्मद बिन सलमान ने दिया था उन्हें। देश आज भी 14 साल के गृहयुद्ध और 50 साल के दमनकारी शासन से लगे गहरे जख्मों से जूझ रहा है। इस संघर्ष में अनुमानित तौर पर करीब 5 लाख लोग मारे गए और लाखों विस्थापित हुए। असद का पतन, विद्रोहियों के लिए भी किसी झटके से कम नहीं था। असद को रूसी सेना ने निकाला और वह अभी मॉस्को में निर्वासित हैं। सत्ता संभालने के बाद, अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने पश्चिमी और अरब देशों के साथ संबंध बनाने के लिए एक सफल कूटनीतिक प्रयास शुरू किया है, जिन्होंने कभी असद का बहिष्कार किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

पुतिन के दौरे के बाद मीटिंग करने भारत पहुंचा अमेरिका, 3 दिन की बड़ी बैठक... हटेगा रूसी तेल से जुड़ा टैरिफ ?

अमेरिका और भारत के रिश्तों में हाल ही में काफी खिंचाव आया। वजह साफ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अगस्त में भारतीय सामान पर टेरिफ यानी आयात दोगुना करके 50: कर दिया था और इसमें 25: सिर्फ रूस से तेल खरीदने पर टेरिफ लगाया गया था। इसके साथ ही अमेरिकी अधिकारियों की लगातार आलोचनाओं ने माहौल को और गर्म कर दिया। लेकिन ऐसे ही तनाव के बीच अमेरिका की अंडर सेक्रेटरी एलिसन होकर भारत के दौरे पर आई और विदेश सचिव विक्रम मिश्री के साथ उनकी एक बड़ी बैठक हुई। इस बैठक का मकसद था ट्रंप और पीएम मोदी की फरवरी में हुई मुलाकात में जो वायदे और विज़न तय किए गए थे उन्हें आगे बढ़ाना और रिश्तों को फिर से सामान्य करने की दिशा में आगे कदम बढ़ाना। भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता आज से शुरू होगी, जब अमेरिकी व्यापार उप प्रतिनिधि (यूटीआर) रिक स्विट्जर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अपने भारतीय समकक्ष राजेश अग्रवाल से मुलाकात करेगा। इस समझौते के लिए अमेरिका के मुख्य वार्ताकार, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच, भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव दर्पण जैन, जो कर्नाटक कैडर के 2001 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, के साथ विचार-विमर्श करेंगे। अमेरिकी डेलिगेट्स की ये यात्रा अहम है क्योंकि भारत और अमेरिका इस समय समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा, यह बातचीत 10 दिसंबर से शुरू होकर 12 दिसंबर को खत्म होगे और यह औपचारिक दौर की बातचीत नहीं है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, डेलिगेट्स का नेतृत्व अमेरिका के डिप्टी यूएस ट्रेड प्रतिनिधि रिक स्वित्जर करेंगे। अगस्त में भारतीय प्रोडक्ट्स पर 50: टैरिफ लगाए जाने के अमेरिकी कदम के बाद व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दल दूसरी बार भारत आ रहा है। इसके पहले 16 सितंबर को एक अमेरिकी दल भारत के दौरे पर आया था। 22 सितंबर को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका गए थे। इससे पहले अमेरिका की उप विदेश मंत्री (राजनीति मामले) एलिसन हुकर द्विपक्षीय रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर 7 दिसंबर को नई दिल्ली पहुंची थी। अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में बताया था कि हुकर की यात्रा का उद्देश्य अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना, अमेरिकी निर्यात बढ़ाने सहित आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को बेहतर करना है।

यूरोप का समर्थन जुटाने पर जेलेंस्की का जोर, रूस को क्षेत्र सौंपने से इनकार किया

रूस के साथ समझौते के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने किसी भी क्षेत्र को छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। यूक्रेन के लिए यूरोपीय समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे जेलेंस्की ने कहा, ''निस्संदेह, रूस इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि हम अपने क्षेत्र उसे सौंप दें। ज़ाहिर है, हम कुछ भी नहीं छोड़ना चाहते। हम इसी के लिए लड़ रहे हैं।'' जेलेंस्की ने सोमवार देर रात व्हाट्सएप पर संवाद में पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''क्या हम कोई क्षेत्र छोड़ने पर विचार कर रहे हैं? क़ानून के अनुसार, हमारे पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। यूक्रेन के क़ानून, हमारे संविधान, अंतरराष्ट्रीय क़ानून और, सच कहूं तो, हमारे पास नैतिक अधिकार भी नहीं है।'' वहीं, 'पोलिटिको' के साथ एक साक्षात्कार में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से ज़ेलेंस्की पर अमेरिका के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला कि यूक्रेन रूस को अपना क्षेत्र सौंप दे। जेलेंस्की ने मंगलवार को रोम के बाहर स्थित पोप निवास, कास्टेल गंडोल्फो में पोप लियो 14वें से मुलाकात की। वह इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी बातचीत करेंगे। वेटिकन ने कहा कि पोप ने ''बातचीत जारी रखने की आवश्यकता दोहराई और वर्तमान राजनयिक पहल से न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई।'' सोमवार को, जेलेंस्की ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ बातचीत की। अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने शनिवार को तीन दिन की वार्ता पूरी कर ली, जिसका उद्देश्य अमेरिकी प्रशासन के शांति प्रस्ताव पर मतभेदों को दूर करना था। इस योजना में एक प्रमुख अड़चन यह सुझाव है कि यूक्रेन को डोनबास क्षेत्र का नियंत्रण रूस को

सौंपना होगा। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने क्षेत्र सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने कल रात देश भर में विभिन्न प्रकार के 110 ड्रोन दागे। अधिकारियों ने बताया कि वायु रक्षा प्रणाली ने 84 ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। पूर्व के हमलों के कारण कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रूस के विभिन्न क्षेत्रों और क्रीमिया में 121 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

7 विमान, 6 युद्धपोत...ताइवान के पास चीन की बड़ी घेराबंदी, जापान तक मचा हड़कंप

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक अपने क्षेत्रीय जलक्षेत्र के आसपास चीनी सैन्य विमानों के सात और चीनी नौसेना के छह जहाजों का पता लगाया। इन सात जहाजों में से दो ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह 6 बजे (UTC$8) तक ताइवान के आसपास च्स्। विमानों के 7 और च्स्।छ जहाजों के 6 विमानों का पता लगाया गया। इनमें से 2 जहाजों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और

दक्षिण-पश्चिमी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। त्व्ब सशस्त्र बलों ने स्थिति पर नजर रखी और कार्रवाई की। ताइवान ने चीनी विमानों के आठ और जहाजों के छह चक्कर देखे। इनमें से दो ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। एक्स पोस्ट में एमएनडी ने कहा कि आज सुबह 6 बजे (UTC$8) तक ताइवान के आसपास च्स्। के विमानों के आठ और के दक्षिण-पश्चिमी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। इनमें से 2 ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के च्स्।छ के छह जहाजों के चक्कर देखे गए। त्व्ब सशस्त्र बलों ने स्थिति पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की। इस बीच, ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जो बाइडेन प्रशासन के एक पूर्व अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के प्रति समर्थन व्यक्त किया है। ताकाइची ने अपनी उस टिप्पणी के बाद यह संकेत दिया है कि जापान ताइवान की रक्षा में मदद कर सकता है। उन्होंने बीजिंग की प्रतिक्रिया को अनुचित करार दिया है। एली रैटनर, जो 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव थे, ने कहा कि ताइवान के बारे में ताकाइची की टिप्पणी इस मामले पर जापान के आधिकारिक रुख को ही प्रतिध्वनित करती है। ताकाइची टाइम्स के अनुसार, 7 नवंबर को, जापानी प्रधानमंत्री ने एक संसदीय बैठक के दौरान उल्लेख किया कि ताइवान पर चीनी हमले को ष्जापान के अस्तित्व के लिए खतराष वाली स्थिति माना जा सकता है, जिससे संभावित रूप से सैन्य कार्रवाई हो सकती है।

पाकिस्तान में इमरान खान को लेकर हो गया कौन सा नया बवाल, जेल के बाहर धरने पर बैठीं तीनों बहने

पाकिस्तान में इमरान पर फिर से बवाल हुआ है। जेल के बाहर धरने पर इमरान की तीनों बहनें बैठी हैं। इमरान की सेहत को खतरा बताया है। जेल में इमरान से मुलाकात की मांग की है। जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। लीमा और उजमा खान ने पाकिस्तान की सरकार पर आरोप लगाया है कि उन्हें अपने भाई से नहीं मिलने दिया जा रहा है। और इमरान खान को पिछले 8 महीने से एकांत में रहने को मजबूर किया जा रहा है। उन्हें यातनाएं दी जा रही हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर आंदोलन अब बहुत ज्यादा उग्र होता जा रहा है।

आपको जानकारी दे दें पाकिस्तान से जहां पर रावलपिंडी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पियाला जेल के बाहर धारा 144 लागू है। स्लामाबाद उच्च न्यायालय ने इमरान को सप्ताह में दो बार परिवार से मिलने का अधिकार दिया है। पीटीआई कार्यकर्ताओं और इमरान खान की बहनों द्वारा अदियाला जेल चेकपोस्ट के पास बीते हफ्ते भी धरना प्रदर्शन किया था। एआरवाई न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, जेल अधिकारियों और पुलिस द्वारा अलीमा खान को इमरान खान से मुलाकात का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। इमरान खान को पाकिस्तानी जेल में एकांत कारावास में रखा गया है और बाहरी दुनिया से उनकी कोई पहुँच नहीं है। 2 दिसंबर को इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने सूडानी मिलिशिया नेता को 20 साल की सजा सुनाई

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने मंगलवार को खूंखार सूडानी जंजावीद मिलिशिया के एक नेता को 20 साल से भी अधिक समय पहले दारफुर में हुए विनाशकारी संघर्ष के दौरान किए गए युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए 20 साल कारावास की सजा सुनाई। पिछले महीने एक सुनवाई में अभियोजकों ने अली मुहम्मद अली अब्द-अल-रहमान को आजीवन कारावास की सजा देने का अनुरोध किया था। उसे अक्टूबर में युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के 27 मामलों में दोषी ठहराया गया था, जिसमें 2003-2004 में सामूहिक रूप से फांसी का आदेश देना और दो कैदियों को कुल्हाड़ी से हमला करके मार डालना शामिल था। अभियोजक जूलियन निकोल्स ने नवंबर में सजा पर सुनवाई के समय न्यायाधीशों से कहा, ''उसने ये अपराध जानबूझकर, स्वेच्छा से और जैसा कि सबूत दिखाते हैं, पूरी बर्बरता के साथ किए।'' इस दौरान 76 वर्षीय अली मुहम्मद अब्द-अल-रहमान खड़ा होकर दलीलें सुनता रहा, लेकिन पीठासीन न्यायाधीश जोआना कोर्नर द्वारा सजा सुनाए जाने पर उसने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। उसे अलग-अलग मामलों में आठ वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक की सजा सुनाई गई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।